Youth India News Group

फर्रुखाबाद से प्रकाशित

मंगलवार | 17 नबम्बर 2026

मूल्य 2.00 रुपये

हिन्दी दैनिक

यूथ इंडिया

सच्चाई की दहकती आग...

वर्षः 22 | अंकः 216 पृष्ठः 08

आरएनआई नं.: UPHIN/2005/17816

डाक पंजीयन सं.- L-6/RNP-FTC002/2010



2 संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की.....

4 तर्क और विज्ञान के युग में.....

8 सड़क किनारे मिला 35 वर्षीय.....

तापमान मीटर

लखनऊ	18°	30°
नई दिल्ली	17°	29°
मुंबई	28°	37°
कोलकाता	22°	32°
चेन्नई	26°	32°

शेयर बाजार

सेंसेक्स 82502.46
निफ्टी 25375.65

सर्राफा बाजार

सोना 1,38,630.00 रुपए प्रति दस ग्राम
चांदी 1,90,000.00 रुपए प्रति किलो

एक नजर

कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए नहीं

नई दिल्ली। पूर्व आईपीएल कमिश्नर ललित मोदी ने कहा है कि उन्होंने कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए भारत नहीं छोड़ा था। उनका दावा है कि वर्ष 2010 में जान को खतरा होने के कारण उन्हें देश छोड़ना पड़ा था।

मिचेल सैंटनर टेस्ट सीरीज से बाहर

ओवल। भारत के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को बड़ा झटका लगा है। टीम के व्हाइट-बॉल कप्तान मिचेल सैंटनर दाएं हाथ में फ्रैक्चर के चलते सीरीज से बाहर हो गए हैं। रविवार को पांचवें वनडे के दौरान बल्लेबाजी करते समय उनके हाथ में गेंद लगी थी। स्कैन में फ्रैक्चर की पुष्टि होने के बाद न्यूजीलैंड क्रिकेट ने इसकी जानकारी दी।

वेलिंगटन टेस्ट में 4 तेज गेंदबाजों के साथ उतरेगी टीम इंडिया

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड दौरे पर भारतीय टीम वेलिंगटन टेस्ट में चार तेज गेंदबाजों के साथ मैदान पर उतरेगी। कप्तान शुभमन गिल ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की। उन्होंने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के खेलने की भी जानकारी दी। वहीं, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह करीब एक साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करेंगे। उन्होंने पिछला टेस्ट नवंबर 2025 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था।

22 नवंबर को भारत आएंगे नेपाल के पीएम बालेन शाह



काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह 22 नवंबर को भारत दौरे पर आएंगे। प्रधानमंत्री बनने के बाद यह उनका पहला विदेशी दौरा होगा। वे दिल्ली में करीब 25 घंटे रुकेंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ 30 मिनट की द्विपक्षीय मुलाकात करेंगे। इस दौरान भारत नेपाल को करीब 2 अरब डॉलर का आर्थिक पैकेज दे सकता है। दोनों देशों के बीच हवाई संपर्क, रेलवे, बिजली और बाढ़ के बाद पुनर्निर्माण से जुड़े समझौतों पर भी चर्चा होने की संभावना है।

दो सड़क हादसे में 13 लोगों की मौत

यूथ इंडिया, देहरादून

नदी में गिरी बस से 9 शव बरामद और खाई में गिरी बोलेरो में 4 की मौत



उत्तराखंड में मंगलवार को दो अलग-अलग सड़क हादसों में कुल 13 लोगों की मौत हो गई। पहला हादसा ऋषिकेश में बदरीनाथ हाईवे पर हुआ, जहां हरिद्वार से जोशीमठ जा रही विश्वनाथ सेवा की बस अनियंत्रित होकर नदी में जा गिरी। इस दुर्घटना में नौ यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 25 लोग घायल हुए हैं।

जानकारी के मुताबिक, बस में आठ राज्यों के श्रद्धालु और यात्री सवार थे। हादसा मंगलवार तड़के हुआ। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, एसडीआरएफ और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंचे। बचाव अभियान चलाकर घायलों को बाहर निकाला गया और उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

वहीं, उत्तराखंड में दूसरे सड़क हादसे में एक बोलेरो वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया। इस दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

एक ही दिन में हुए इन दोनों हादसों से प्रदेश में शोक का माहौल है। दोनों दुर्घटनाओं में कुल 13 लोगों की जान चली गई, जबकि बस हादसे में 25 लोग घायल हुए हैं। प्रशासन की ओर से राहत एवं बचाव कार्य कराया गया और घायलों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

बंगाल की खाड़ी में चक्रवात 'अकवान' के गंभीर तूफान बनने की आशंका

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवात 'अकवान' मंगलवार शाम तक गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल सकता है। इसके 19 नवंबर की रात आंध्र प्रदेश के तट से टकराने की आशंका जताई गई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए बताया है कि तूफान के दौरान 120 से 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। हवा की गति 145 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार, चक्रवात के प्रभाव से आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तमिलनाडु में 21 नवंबर तक भारी बारिश हो सकती है। तटीय इलाकों में तेज हवाओं और खराब मौसम को देखते हुए अलर्ट जारी किया गया है। समुद्र में ऊंची लहरें उठने और सामान्य जनजीवन प्रभावित होने की आशंका भी जताई गई है।

बताया जा रहा है कि चक्रवाती तूफान अर्नब और मुरासु के बाद 'अकवान' तीन सप्ताह के भीतर आंध्र प्रदेश को प्रभावित करने वाला तीसरा तूफान होगा। लगातार चक्रवाती गतिविधियों के कारण राज्य में कृषि क्षेत्र को भारी नुकसान पहुंचा है। पिछले दो तूफानों से करीब 7 हजार करोड़ रुपये की फसल बर्बाद होने का अनुमान है।

पीएम मोदी फिलीपींस के सबसे पुराने गुरुद्वारे पहुंचे, मत्था टेककर लिया आशीर्वाद

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने फिलीपींस दौरे के दौरान वहां के सबसे पुराने गुरुद्वारे पहुंचे। यहां उन्होंने मत्था टेककर अरदास की और देश-दुनिया में शांति, सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। गुरुद्वारे में पहुंचने पर उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया।

इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुद्वारे में मौजूद सिख समुदाय के लोगों से मुलाकात की और उनका अभिवादन स्वीकार किया। उन्होंने सिख धर्म की सेवा, समानता और मानवता की भावना को भारतीय संस्कृति की महत्वपूर्ण विरासत बताया।

प्रधानमंत्री की इस यात्रा को भारत और फिलीपींस के बीच सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक संबंधों को मजबूती देने के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। गुरुद्वारे में उनकी मौजूदगी से वहां रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी का फिलीपींस दौरा दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने के उद्देश्य से हो रहा है। इस दौरान व्यापार, रक्षा, सुरक्षा और आपसी सहयोग जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत भी प्रस्तावित है। गुरुद्वारे में मत्था टेकने का उनका कार्यक्रम दौरे का एक विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक पड़ाव रहा।

दिल्ली के विवेक विहार में पुरानी इमारत ढही, एक बच्चे समेत 2 की मौत

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



विवेक विहार इलाके में मंगलवार को एक बड़ा हादसा हो गया। यहां एक पुरानी इमारत अचानक भरभराकर गिर गई। हादसे में एक बच्चे समेत दो लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग मदद के लिए मौके पर पहुंच गए।

इमारत गिरने की सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, दमकल विभाग और राहत-बचाव दल की टीमें घटनास्थल पर पहुंच गईं। मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। बचावकर्मी मलबा हटाकर अंदर फंसे लोगों की तलाश में जुटे हुए हैं।

हादसे के बाद प्रशासन ने इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है और आसपास के लोगों को घटनास्थल से दूर रहने की अपील की है। राहत एवं बचाव कार्य में जुटी टीमें आधुनिक उपकरणों की मदद से मलबे में फंसे लोगों तक पहुंचने का प्रयास कर रही हैं।

फिलहाल इमारत गिरने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। प्रशासन की ओर से मामले की जांच की जा रही है। हादसे में मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका के बीच राहत-बचाव अभियान जारी है।

अब वह दोस्त हैं: राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी मां सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' के लॉन्चिंग कार्यक्रम में पहली बार अपनी गर्लफ्रेंड का जिक्र किया। कार्यक्रम के दौरान जब उनसे पूछा गया कि अब उनकी गर्लफ्रेंड कहां हैं, तो राहुल गांधी ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, अब वह दोस्त हैं। उनके इस जवाब के बाद कार्यक्रम में मौजूद लोगों के बीच यह चर्चा का विषय बन गया। दरअसल, कार्यक्रम में राहुल गांधी अपने माता-पिता राजीव गांधी और सोनिया गांधी के रिश्ते से जुड़ी यादें साझा कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के दिनों का एक किस्सा सुनाया।

गोरखपुर में कांग्रेस ने सपा से मांगी चार विधानसभा सीटें

यूथ इंडिया, लखनऊ



उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे पर बातचीत तेज हो गई है। इसी क्रम में गोरखपुर जिले में कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी से चार विधानसभा सीटों की मांग की है। इनमें गोरखपुर शहर, गोरखपुर ग्रामीण, बांसगांव और सहजनवा विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। कांग्रेस की इस मांग के बाद जिले की सियासत में हलचल बढ़ गई है।

कांग्रेस नेताओं का मानना है कि इन विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी की राजनीतिक स्थिति मजबूत करने की संभावनाएं हैं। खासतौर पर बांसगांव विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं। पार्टी संगठन आगामी चुनाव को ध्यान में रखते हुए कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और अपनी चुनावी जमीन मजबूत करने में जुटा है।

गौरतलब है कि कांग्रेस ने 2017 के विधानसभा चुनाव में भी समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन करके चुनाव लड़ा था। उस दौरान गोरखपुर शहर, खजनी और कैंपियरगंज विधानसभा सीटों पर कांग्रेस ने अपने प्रत्याशी उतारे थे। शहर और कैंपियरगंज सीट पर कांग्रेस दूसरे स्थान पर रही थी, जबकि खजनी विधानसभा क्षेत्र में पार्टी पांचवें स्थान पर पहुंच गई थी और प्रत्याशी की जमानत भी जब्त हो गई थी।

योगी के गढ़ में पीडीए रथ लेकर उतरेंगे अखिलेश यादव

यूथ इंडिया, लखनऊ



प्रदेश की राजनीति में विधानसभा चुनाव 2027 से पहले सियासी हलचल तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव 18 नवंबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गृह जिले गोरखपुर पहुंचेंगे। यहां वह पीडीए रथ के जरिए अपना राजनीतिक अभियान आगे बढ़ाएंगे। उनका यह दौरा पूर्वांचल की राजनीति के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक, अखिलेश यादव गोरखपुर एयरपोर्ट से पीडीए रथ पर सवार होकर चौरी चौरा तक जाएंगे। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों के जुटने की संभावना है। सपा इस कार्यक्रम के जरिए अपने संगठन को मजबूत करने और आगामी विधानसभा चुनाव के लिए राजनीतिक माहौल तैयार करने की कोशिश करेगी।

दरअसल, समाजवादी पार्टी का फोकस इस बार पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक यानी पीडीए वर्ग पर है। पार्टी इन समुदायों के बीच अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत करना चाहती है। गोरखपुर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में अखिलेश यादव का पीडीए रथ लेकर पहुंचना इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

राजनीतिक जानकारों की नजर भी इस दौरे पर टिकी हुई है, क्योंकि गोरखपुर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गृह जिला है। ऐसे में अखिलेश यादव का यहां पीडीए अभियान चलाना भाजपा और सपा के बीच आगामी चुनावी मुकाबले के लिहाज से अहम माना जा रहा है। अब देखना होगा कि अखिलेश का यह दौरा पूर्वांचल में सपा की राजनीतिक स्थिति को कितना मजबूत कर पाता है।

अवमानना मामले में अरविंद केजरीवाल को दिल्ली हाईकोर्ट की फटकार

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



दिल्ली हाईकोर्ट ने आबकारी नीति मामले से जुड़े अवमानना प्रकरण में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को कड़ी फटकार लगाई है। अदालत ने उन्हें तीन सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि निर्धारित समय में जवाब नहीं दिया गया तो उन्हें दोबारा मौका नहीं दिया जाएगा।

दरअसल, दिल्ली आबकारी नीति मामले में अरविंद केजरीवाल ने जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा को सुनवाई से हटाने की मांग की थी। केजरीवाल की ओर से आरोप लगाया गया था कि जस्टिस शर्मा चार बार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े संगठन के कार्यक्रमों में शामिल हुई थीं। इसी आधार पर उन्होंने मामले की सुनवाई को लेकर निष्पक्षता पर सवाल उठाए थे।

इस मामले को लेकर न्यायिक प्रक्रिया और अदालत की गरिमा से जुड़े सवाल भी उठे हैं। हाईकोर्ट ने केजरीवाल को अपना पक्ष रखने के लिए समय दिया है और तीन सप्ताह की समयसीमा तय की है। अदालत ने संकेत दिया कि कानूनी प्रक्रिया का पालन निर्धारित समय के भीतर करना जरूरी है।

हाईकोर्ट के इस निर्देश के बाद आबकारी नीति मामले से जुड़ा विवाद एक बार फिर चर्चा में आ गया है। अब सबकी नजर अरविंद केजरीवाल के जवाब और अदालत की अगली सुनवाई पर रहेगी। मामले में आगे क्या कानूनी रुख अपनाया जाता है, यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा।

आजम खान को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान को फर्जी जन्म प्रमाण पत्र मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले को बरकरार रखा है, जिसमें आजम खान की सजा पर रोक लगाते हुए उन्हें जमानत दी गई थी। उत्तर प्रदेश सरकार ने हाईकोर्ट के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

दरअसल, 18 अक्टूबर 2023 को रामपुर की ट्रायल कोर्ट ने फर्जी जन्म प्रमाण पत्र मामले में आजम खान, उनकी पत्नी तंजीम फातिमा और बेटे अब्दुल्ला आजम को सात-सात साल की कैद की सजा सुनाई थी। इसके बाद 24 मई 2024 को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आजम खान की सजा पर रोक लगाते हुए उन्हें राहत दी थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने भी हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है।

वहीं, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली आजम खान की याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुनवाई के दौरान आजम खान के वरिष्ठ अधिवक्ता इमरान उल्लाह ने आरोप लगाया कि ईडी ने गिरफ्तारी के आधार की जानकारी नहीं दी। वहीं, ईडी के वकील जोबेर हुसैन ने दलील दी कि आजम खान ने गिरफ्तारी से संबंधित दस्तावेज लेने से इनकार किया था और इसका उल्लेख रिमांड आवेदन तथा पंचनामे में दर्ज है।

गौरतलब है कि 31 अक्टूबर 2026 को आजम खान को दो पैन कार्ड मामले में जमानत मिली थी। इसके बाद उन्हें रामपुर जेल से रिहा किया गया, लेकिन 1 नवंबर को जेल से बाहर आते ही ईडी ने जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

सीआरपीएफ पोस्ट पर फायरिंग करने वाले आतंकियों का सीसीटीवी फुटेज आया सामने

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर में सीआरपीएफ पोस्ट पर फायरिंग करने वाले आतंकियों का मंगलवार को सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। फुटेज में आतंकी मोहम्मद लतीफ भट और उमर निसार डार दिखाई दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि दोनों 11 नवंबर को हमले से पहले सीआरपीएफ कैंप के आसपास रेकी कर रहे थे। 56 सेकेंड के वीडियो में दोनों टैक्सी से उतरकर कैंप की दिशा में जाते नजर आ रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, दोनों आतंकियों ने 11 नवंबर को नौपोरा अखरान में सीआरपीएफ की पोस्ट पर फायरिंग की थी।

उत्तर प्रदेश की ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी, 7 महीने में करीब 19 लाख नए वोटर जुड़े

यूथ इंडिया, लखनऊ



उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के बीच चुनाव आयोग ने मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत मंगलवार को नई ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी कर दी है। जारी सूची के मुताबिक, पिछले सात महीनों में प्रदेश में करीब 19 लाख नए मतदाताओं की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। नई सूची जारी होने के बाद प्रदेश में चुनावी तैयारियों को लेकर गतिविधियां तेज हो गई हैं।

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, गलतियों में सुधार करने और मतदाता सूची को अपडेट करने की प्रक्रिया पूरी की गई है। इस अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शामिल हो और आगामी चुनाव में कोई भी योग्य मतदाता अपने मतदान के अधिकार से वंचित न रहे।

ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी होने के बाद अब मतदाता अपने नाम और अन्य जानकारियों की जांच कर सकते हैं। यदि किसी पात्र व्यक्ति का नाम सूची में शामिल नहीं है या नाम, पता और अन्य विवरणों में कोई गलती है, तो निर्धारित प्रक्रिया के तहत दावा और आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है। चुनाव आयोग की ओर से इस संबंध में आगे की प्रक्रिया भी संचालित की जाएगी।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में 2027 में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। ऐसे में मतदाता सूची का पुनरीक्षण राजनीतिक और प्रशासनिक दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। करीब 19 लाख नए मतदाताओं के जुड़ने से प्रदेश की चुनावी तस्वीर में बदलाव देखने को मिल सकता है।

टुक-टुक चलाते नजर आए ब्रिटेन के प्रिंस विलियम, पीछे बैठीं प्रिंसेस केट, अर्थशॉट प्राइज कार्यक्रम में पहुंचे शाही दंपती

मुंबई। ब्रिटेन के प्रिंस विलियम और उनकी पत्नी प्रिंसेस केट भारत दौरे के दूसरे दिन मंगलवार को मुंबई में अलग अंदाज में नजर आए। प्रिंस विलियम टुक-टुक चलाते दिखाई दिए, जबकि प्रिंसेस केट उनके पीछे बैठी थीं। दोनों अर्थशॉट प्राइज के कार्यक्रम में इसी अंदाज में पहुंचे। टुक-टुक पर अर्थशॉट का लोगो भी लगा हुआ था। कार्यक्रम में पहुंचने के बाद प्रिंसेस केट ने इस अनोखे सफर की तारीफ करते हुए कहा, यहां आने का यह सबसे अच्छा तरीका है। शाही दंपती का यह अंदाज वहां मौजूद लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र रहा।

भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी की बड़ी कार्रवाई, 253 किलो गांजा बरामद

यूथ इंडिया, लखनऊ



बिहार के सुपौल जिले में भारत-नेपाल सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ सशस्त्र सीमा बल ने बड़ी कार्रवाई की है। एसएसबी की 45वीं वाहिनी वीरपुर की टीम ने संयुक्त अभियान चलाकर 253 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। बरामद गांजा आठ प्लास्टिक की बोरियों में भरकर रखा गया था।

जानकारी के मुताबिक, यह कार्रवाई वाहिनी मुख्यालय और सीमा चौकी शैलेशपुर की संयुक्त टीम ने की। सीमा क्षेत्र में तस्करी की गतिविधियों पर निगरानी के दौरान संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी मिलने पर जवानों ने तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान आठ बोरियों में छिपाकर रखी गई गांजे की खेप बरामद हुई।

तलाशी अभियान को प्रभावी बनाने के लिए ड्रोन की भी मदद ली गई। सुरक्षा बलों ने सीमा क्षेत्र में निगरानी बढ़ाते हुए आसपास के इलाकों की जांच की। इस कार्रवाई के बाद भारत-नेपाल सीमा पर तस्करी करने वाले गिरोहों में हड़कंप मच गया है।

एसएसबी ने बरामद गांजे को अपने कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। सुरक्षा एजेंसियां गांजे की खेप के स्रोत और इसके पीछे शामिल तस्करों का पता लगाने में जुटी हैं। सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए निगरानी और गश्त लगातार जारी है।

एक मिनट की देरी के आरोप के बीच 9 वर्षीय छात्र की ट्रेन की चपेट में आने से मौत

यूथ इंडिया, प्रयागराज



यमुनापार क्षेत्र स्थित इरादतगंज में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में सेंट मेरी कॉन्वेंट स्कूल के 9 वर्षीय छात्र की मौत हो गई। सुबह करीब 6:30 बजे छात्र ट्रेन की चपेट में आ गया। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और इलाके में शोक का माहौल बन गया।

हादसे के बाद परिजनों ने स्कूल प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया। परिवार का कहना है कि बच्चा स्कूल पहुंचने में महज एक मिनट लेट हो गया था, जिसके चलते उसे स्कूल के अंदर प्रवेश नहीं दिया गया। इसी बात को लेकर परिजनों ने स्कूल प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

घटना से आक्रोशित परिजन और स्थानीय लोग स्कूल परिसर पहुंच गए, जहां जमकर हंगामा हुआ और तोड़फोड़ की गई। देखते ही देखते स्थिति तनावपूर्ण हो गई। स्कूल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोगों ने प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी जाहिर की।

हंगामे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित लोगों को समझाकर स्थिति संभालने का प्रयास किया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अब जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि छात्र को स्कूल में प्रवेश नहीं देने के आरोपों में कितनी सच्चाई है और हादसे की परिस्थितियां क्या थीं।

पंचायत चुनाव जल्द कराने की मांग को लेकर लखनऊ में प्रदर्शन

● मंत्री ओमप्रकाश राजभर के आवास का किया घेराव

यूथ इंडिया, लखनऊ



उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव जल्द कराने की मांग को लेकर मंगलवार को पंचायत अधिकार संघ के बैनर तले प्रदेशभर से आए पंचायत प्रतिनिधियों ने लखनऊ में प्रदर्शन किया। ग्राम प्रधानों, क्षेत्र पंचायत सदस्यों और जिला पंचायत सदस्यों ने पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर के आवास का घेराव कर जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से जल्द पंचायत चुनाव की तारीख घोषित करने की मांग उठाई।

प्रदर्शन के दौरान नाराज लोगों ने मंत्री के आवास पर मिठाई के डिब्बे भी फेंके। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने का प्रयास किया तो दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की और तीखी नोकझोंक हुई। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया और बसों से इको गार्डन भेज दिया।

प्रदर्शनकारी %गांव की सरकार नहीं तो विधानसभा की सरकार नहीं% और %पंचायत चुनाव जल्द करवाओ% जैसे नारे लगा रहे थे। उनका कहना था कि पंचायतों का कार्यकाल पूरा होने के बावजूद अभी तक चुनाव की तारीख घोषित नहीं की गई है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं और स्थानीय स्तर पर लोगों की समस्याओं का समाधान करने में भी दिक्कतें आ रही हैं।

पंचायत प्रतिनिधियों ने सरकार से मांग की कि पंचायत चुनाव की प्रक्रिया जल्द शुरू कराई जाए, ताकि गांवों में लोकतांत्रिक व्यवस्था और विकास कार्यों को गति मिल सके। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि पंचायतों में निर्वाचित प्रतिनिधियों की अनुपस्थिति से ग्रामीण जनता को परेशानी उठानी पड़ रही है। चुनाव में देरी को लेकर उन्होंने सरकार से जल्द स्पष्ट निर्णय लेने की मांग की।

विधानसभा चुनाव से पहले बेसिक शिक्षा विभाग में बड़ा फेरबदल, कानपुर के 7 बीईओ दूसरे जिलों में भेजे गए

कानपुर। आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच बेसिक शिक्षा विभाग में अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। कानपुर नगर में तैनात सात खंड शिक्षा अधिकारियों (बीईओ) को दूसरे जिलों में भेजा गया है, जबकि नौ नए बीईओ को कानपुर नगर में तैनाती मिली है। बेसिक शिक्षा अनुभाग के संयुक्त सचिव लाल मणि यादव की ओर से इस संबंध में तबादला आदेश जारी किया गया है। कानपुर से इन सात बीईओ का हुआ तबादलाः जारी आदेश के मुताबिक कृष्ण कुमार, सत्य प्रकाश और शालिनी गुप्ता को कानपुर देहात भेजा गया है। पूनम वर्मा को औरैया, अनिल कुमार सिंह और कृपाशंकर को फर्रुखाबाद, जबकि यास्मीन रहमान को इटावा में नई जिम्मेदारी दी गई है।

सुएज इंडिया ने आयोजित किया सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

यूथ इंडिया, लखनऊ



सीवर सफाई के दौरान कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सुएज इंडिया की ओर से सीवर सफाई मित्रों के लिए विशेष सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कर्मचारियों को सीवर और मैनहोल की सफाई के दौरान निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करने और किसी भी परिस्थिति में मैनहोल के अंदर उतरकर काम नहीं करने के निर्देश दिए गए।

कार्यक्रम में कंपनी की हेल्थ एंड सेफ्टी टीम ने कर्मचारियों से सीधे संवाद कर सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश साझा किए। उन्हें बताया गया कि सीवर सफाई के दौरान किसी भी तरह की लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है। इसलिए कंपनी की ओर से निर्धारित कार्यप्रणाली और सुरक्षा गाइडलाइन का पूरी तरह पालन करना जरूरी है। कर्मचारियों को यह भी समझाया गया कि काम के दौरान किसी भी तरह की असुरक्षित स्थिति सामने आने पर तत्काल अपने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित करें और सुरक्षा सुनिश्चित होने के बाद ही आगे की कार्रवाई करें।

सुएज इंडिया का मानना है कि सीवर सफाई में लगे प्रत्येक कर्मचारी शहर की स्वच्छता व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ये फ्रंटलाइन वर्कर दिन-रात मेहनत कर शहर के सीवर नेटवर्क को सुचारु बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा कंपनी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से कंपनी की हेल्थ एंड सेफ्टी टीम समय-समय पर इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करती है, ताकि कर्मचारियों के साथ सीधा संवाद बना रहे और सुरक्षा के प्रति जागरूकता लगातार मजबूत हो।

परियोजना निदेशक राजेश मठपाल ने कहा, हमारे सीवर सफाई मित्र शहर की स्वच्छता व्यवस्था की मजबूत कड़ी हैं और उनकी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। मैं सभी कर्मचारियों से अपील करता हूं कि सीवर सफाई के दौरान कंपनी की सुरक्षा गाइडलाइन का पूरी तरह पालन करें। किसी भी परिस्थिति में मैनहोल के अंदर उतरकर काम न करें। सुरक्षा नियमों की अनदेखी न केवल कर्मचारी, बल्कि उनके परिवार के लिए भी गंभीर संकट पैदा कर सकती है। हमारा स्पष्ट संदेश है–काम तभी करें, जब वह पूरी तरह सुरक्षित हो।

उन्होंने देश में सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान हुए हादसों का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं बेहद दुखद हैं और हमें सुरक्षा के प्रति और अधिक सतर्क रहने की सीख देती हैं। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग (एनसीएसके) के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2026 में 20 अक्टूबर तक देश में सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान 31 लोगों की मौत दर्ज की गई थी। इनमें उत्तर प्रदेश के तीन मामले भी शामिल थे। ये आंकड़े बताते हैं कि सीवर सफाई में सुरक्षा नियमों का पालन और सुरक्षित कार्यप्रणाली कितनी जरूरी है।

सुएज इंडिया की हेल्थ एंड सेफ्टी टीम ने स्पष्ट किया कि कंपनी का उद्देश्य केवल सीवर नेटवर्क का बेहतर संचालन करना ही नहीं, बल्कि उससे जुड़े प्रत्येक कर्मचारी को सुरक्षित कार्य वातावरण उपलब्ध कराना भी है। कंपनी आगे भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने और सुरक्षा संस्कृति को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

केजीएमयू में जूनियर छात्रों से कराया गया सीनियरों को सलाम

यूथ इंडिया, लखनऊ



किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के कलाम सेंटर के सामने सोमवार दोपहर करीब डेढ़ बजे एक हैरान करने वाला नजारा देखने को मिला। प्रथम वर्ष के छात्र कतार में खड़े नजर आए। सभी छात्रों की गर्दन झुकी हुई थी और जैसे ही कोई सीनियर छात्र वहां से गुजरता, सभी एक साथ तेज आवाज में बोलने लगते- प्रणाम महोदय जी।

बताया जा रहा है कि जूनियर छात्रों को सीनियर विद्यार्थियों के सामने इस तरह अभिवादन करने के लिए खड़ा किया गया था। सार्वजनिक स्थान पर छात्रों का इस तरह कतारबद्ध होकर अभिवादन करना चर्चा का विषय बन गया। इस घटना ने मेडिकल कॉलेजों में जूनियर और सीनियर छात्रों के बीच चलने वाली परंपराओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मेडिकल संस्थानों में रैगिंग रोकने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग की ओर से सख्त दिशा-निर्देश जारी हैं। ऐसे में यदि छात्रों पर दबाव डालकर इस तरह की गतिविधियां कराई गई हैं, तो इसकी जांच जरूरी है।

हालांकि, इस घटना के संबंध में विश्वविद्यालय प्रशासन की आधिकारिक प्रतिक्रिया और जांच की स्थिति की पुष्टि उपलब्ध जानकारी से नहीं होती है। यह भी स्पष्ट होना बाकी है कि छात्रों ने अपनी मर्जी से ऐसा किया या उनसे किसी दबाव में यह करवाया गया।

कुसमरा हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा, पिता-पुत्र समेत तीन गिरफ्तार

● दो आरोपी पुलिस मुठभेड़ में पैर में गोली लगने से घायल, अवैध तमंचे और कारतूस बरामद

● हत्या में प्रयुक्त खून से सना हथौड़ा और आरोपितों की खून लगी शर्ट बरामद, चार लोगों के शामिल होने की बात आई सामने

यूथ इंडिया, जालौन



कोतवाली जालौन क्षेत्र के ग्राम कुसमरा में राजेश कुमार सलौनिया की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो आरोपित पुलिस मुठभेड़ में पैर में गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से दो अवैध तमंचे, कारतूस, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और हत्या में इस्तेमाल खून से सना हथौड़ा बरामद किया है।

क्षेत्राधिकारी जालौन अजय कुमार सिंह ने बताया कि 14 नवंबर को राजेश कुमार सलौनिया की फावड़े और हथौड़े से हमला कर हत्या कर दी गई थी। मामले में मृतक के पुत्र मयंक प्रताप सिंह की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया था। अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के अंडर ओवरब्रिज के पास घेराबंदी की। इस दौरान बाइक सवार आरोपितों ने पुलिस पर फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में निखिल (19) और संदीप (19) घायल हो गए।

वहीं, पुलिस ने उरगांव-पहाड़पुरा तिराहा पुलिया के पास से राजकुमार (51) को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने अपने भाई कन्हैयालाल, मिथिलेश, पुत्र निखिल और भतीजे संदीप के साथ हत्या करने की बात बताई।

उसकी निशानदेही पर हथौड़ा और दो खून से सनी शर्ट बरामद हुई। पुलिस के अनुसार दो तमंचे, पांच जिंदा व दो खोखा कारतूस तथा मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

एएसपी ने पुलिस लाइन में परेड की सलामी लेकर किया निरीक्षण



● शारीरिक व मानसिक सतर्कता के साथ अनुशासन परखा

● शस्त्रागार और परिवहन शाखा का किया निरीक्षण

यूथ इंडिया, उरई (जालौन)।

अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी ने मंगलवार को पुलिस लाइन उरई में साप्ताहिक परेड की सलामी ली। इस दौरान उन्होंने परेड में शामिल पुलिसकर्मियों की शारीरिक एवं मानसिक सतर्कता का जायजा लिया और एकरूपता तथा अनुशासन का परीक्षण किया।

परेड के बाद एएसपी ने पुलिस लाइन की विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने शस्त्रागार और परिवहन शाखा सहित अन्य व्यवस्थाओं को देखा और संबंधित कर्मचारियों से जानकारी ली।

इसके बाद पुलिसकर्मियों का अर्दली रूम आयोजित कर उनकी समस्याओं और कार्यों की जानकारी ली। एएसपी ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने और अपने दायित्वों का जिम्मेदारी से निर्वहन करने के निर्देश दिए।इस दौरान प्रतिसार निरीक्षक पवन कुमार मौजूद रहे।

श्रीराम कथा स्थल का निरीक्षण करने पहुंचे एसपी अभिषेक झा, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

यूथ इंडिया, गोण्डा



जय प्रभा ग्राम में आयोजित होने जा रही भव्य श्रीराम कथा की तैयारियों के बीच पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने कथा स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कथा स्थल पर बनाए गए पांडाल और सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

एसपी ने महंत श्री आलोक दास से मुलाकात कर पांडाल की सुरक्षा, श्रद्धालुओं की आवाजाही और आयोजन के दौरान सुरक्षा प्रबंधों को लेकर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए संबंधित पुलिस अधिकारियों को सतर्कता बरतने और सभी जरूरी इंतजाम समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि इतने बड़े धार्मिक आयोजन में श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। आयोजन के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसके लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहेगा।

विधायक ने मोबाइल से की स्व-गणना

● लोगों से स्व-गणना पोर्टल पर जानकारी दर्ज करने की अपील

यूथ इंडिया, भाटपार रानी, देवरिया



भारत सरकार की स्व-गणना प्रक्रिया को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से भाटपार रानी के तहसीलदार सौरभ श्रीवास्तव सोमवार को विधायक सभाकुंवर कुशवाहा के आवास पहुंचे। इस दौरान उन्होंने विधायक को स्व-गणना की पूरी प्रक्रिया की जानकारी देते हुए मोबाइल के माध्यम से ऑनलाइन गणना करने का तरीका समझाया। इसके बाद विधायक सभाकुंवर कुशवाहा ने अपने मोबाइल से स्वयं स्व-गणना की प्रक्रिया पूरी की।

इस अवसर पर विधायक ने अपने विधानसभा क्षेत्र के लोगों से भी स्व-गणना में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार की इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया में प्रत्येक परिवार की सहभागिता जरूरी है। लोगों को स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सरकार की मंशा के अनुरूप इस अभियान को सफल बनाने में सहयोग करना चाहिए।

तहसीलदार सौरभ श्रीवास्तव ने बताया कि स्व-गणना के लिए भारत सरकार के आधिकारिक पोर्टल पर जाकर राज्य अथवा केंद्र शासित प्रदेश का चयन करना होगा। इसके बाद अपनी सुविधानुसार भाषा चुननी होगी। ध्यान रहे कि एक बार चुनी गई भाषा को बाद में बदला नहीं जा सकेगा। आगे परिवार के मुखिया का नाम और मोबाइल नंबर दर्ज कर मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी के माध्यम से सत्यापन करना होगा।

इसके बाद संबंधित जिले और गांव अथवा शहर का चयन कर दिए गए नक्शे में अपने मकान की सही स्थिति चिन्हित करनी होगी। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवश्यक जानकारी भरकर स्व-गणना पूरी की जा सकती है। प्रशासन की ओर से लोगों से अपील की गई है कि वे सही और सटीक जानकारी दर्ज करते हुए इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

बढ़ने लगी ठंड, सुबह छाई धुंध, लालबाग की हवा सबसे प्रदूषित

यूथ इंडिया, लखनऊ



राजधानी में मंगलवार सुबह से आसमान में हल्की धुंध छाई रही। हालांकि, सतही हवाएं चलने से धुंध का असर कम हुआ और कुछ देर बाद तेज धूप निकल आई। सुबह शहर का औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स 118 दर्ज किया गया, जिससे हवा यलो जोन में रही। लालबाग सबसे प्रदूषित इलाका रहा, जहां एक्यूआई 220 के साथ ऑरेंज जोन में दर्ज किया गया।

शहर के अलग-अलग इलाकों में वायु गुणवत्ता का स्तर अलग-अलग रहा। अलीगंज में एक्यूआई 180 और तालकटोरा में 101 दर्ज किया गया, जबकि अंबेडकर यूनिवर्सिटी और गोमतीनगर में एक्यूआई 70 तथा कुकरैल में 64 रहा। इन तीनों क्षेत्रों की हवा ग्रीन जोन में दर्ज की गई। वहीं, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सोमवार शाम पांच बजे के आंकड़ों के अनुसार शहर का औसत एक्यूआई 169 था।

मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को अधिकतम तापमान 28 डिग्री और न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। सोमवार को अधिकतम तापमान 29.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 17.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। इस दौरान अधिकतम आर्द्रता 92 प्रतिशत और न्यूनतम 30 प्रतिशत रही। मौसम में बदलाव के साथ अब सुबह और रात के समय ठंड का असर बढ़ने की संभावना है।

मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, लखनऊ के तापमान में अगले दिनों में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की जा सकती है। इससे अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब पहुंच जाएगा और ठंड बढ़ेगी। सुबह के समय कोहरा भी घना होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में कश्मीर के आसपास पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है। पहाड़ों पर बारिश और बर्फबारी के बाद प्रदेश में उत्तरी-पश्चिमी ठंडी हवाओं का प्रभाव बढ़ेगा।

लखनऊ ट्रिपल मर्डर के आरोपी ऋषभ के घर से मिले छह असलहे और 20 कारतूस

यूथ इंडिया, लखनऊ



सआदतगंज के नौबस्ता में हुए चर्चित ट्रिपल मर्डर के मुख्य आरोपी ऋषभ शुक्ला की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। उसके घर से बड़ी संख्या में असलहे और कारतूस मिलने के बाद पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है। अब पुलिस इन हथियारों के स्रोत का पता लगाने में जुटी है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि ऋषभ का किसी अवैध हथियार तस्करी गिरोह से संपर्क तो नहीं था।

पुलिस ऋषभ के मोबाइल फोन की कॉल डिटेल और अन्य डिजिटल डाटा खंगाल रही है। इसके अलावा उसके दोस्तों और रिश्तेदारों से भी पूछताछ की जा रही है, ताकि हथियारों की खरीद-फरोख्त और उनसे जुड़े लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके।

जानकारी के मुताबिक, गुरुवार को लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की टीम ऋषभ के घर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करने पहुंची थी। इसी दौरान घर की तलाशी में एक पिस्टल, एक तमंचा, एक राइफल, एक बंदूक और एक रिवॉल्वर के साथ 20 जिंदा कारतूस बरामद हुए। एक ही मकान से इतनी बड़ी संख्या में हथियार मिलने के बाद मौके पर मौजूद अधिकारियों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी।

इसके बाद पुलिस ने सभी बरामद असलहों के स्रोत, उनके लाइसेंस और संभावित इस्तेमाल की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि हथियार कहां से खरीदे गए थे और आरोपी के संपर्क में कौन-कौन लोग थे। जांच पूरी होने के बाद मामले में अन्य लोगों की भूमिका भी स्पष्ट हो सकेगी।

चाय की दुकान पर गाली देने का विरोध करने पर फायरिंग, स्कॉर्पियो-एन सवार चार युवकों ने दो दोस्तों को बनाया निशाना

यूथ इंडिया, लखनऊ



राजधानी में सोमवार शाम चाय की दुकान पर गाली-गलौज का विरोध करना दो दोस्तों को भारी पड़ गया। स्कॉर्पियो-एन से पहुंचे चार युवकों ने पहले चाय दुकानदार के साथ गाली-गलौज की। दुकान पर पहले से चाय पी रहे दो दोस्तों ने जब इसका विरोध किया तो आरोपी भड़क गए और दोनों पर फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई इस घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

प्रत्यक्ष जानकारी के अनुसार, चारों युवक स्कॉर्पियो-एन से चाय की दुकान पर पहुंचे थे। वहां उन्होंने दुकानदार को गालियां देना शुरू कर दिया। दुकान पर मौजूद दोनों दोस्तों ने युवकों की इस हरकत का विरोध किया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया और देखते ही देखते मामला फायरिंग तक पहुंच गया।

गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। दुकान के आसपास मौजूद लोग जान बचाकर इधर-उधर भागने लगे। घटना के बाद आरोपी अपनी स्कॉर्पियो-एन से मौके से फरार हो गए।

सूचना मिलने पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में घायलों की स्थिति, घटना के स्थान और आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

27 वर्षीय महिला दरोगा की मौत, सरकारी आवास के बाथरूम में मिला शव

यूथ इंडिया, ग्रेटर नोएडा



उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में 27 वर्षीय महिला दरोगा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उनका शव मंगलवार को उनके सरकारी आवास के बाथरूम में पड़ा मिला। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। महिला दरोगा की मौत की खबर से परिजनों में भी शोक की लहर है।

जानकारी के मुताबिक, मंगलवार सुबह महिला दरोगा के पिता ने उन्हें फोन किया, लेकिन काफी देर तक कॉल रिसीव नहीं हुई। कई बार फोन करने के बावजूद संपर्क नहीं हो सका तो पिता को चिंता हुई। इसके बाद उन्होंने महिला दरोगा की एक सहकर्मी और दोस्त को उनके सरकारी आवास पर भेजा।

जब महिला दरोगा की दोस्त आवास पर पहुंचीं तो अंदर का नजारा देखकर हैरान रह गई। महिला दरोगा बाथरूम में मृत अवस्था में पड़ी थीं। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस और अन्य अधिकारियों को दी गई।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की। फिलहाल महिला दरोगा की मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह स्पष्ट होने की उम्मीद है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप के दूतों से 4 घंटे मिले पुतिन, फिर यूक्रेन पर समझौते से किया इनकार?

मास्को , एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए अपनी मांगों में बदलाव करने से इनकार कर दिया है. उन्होंने कहा कि रूस उन यूक्रेनी इलाकों पर अपना कब्जा छोड़ने को तैयार नहीं है, जिन्हें वह अपना हिस्सा मानता है. पुतिन ने यूक्रेन में दूसरे देशों की शांति सेना तैनात करने का भी विरोध किया. उनके मुताबिक, ऐसा करना युद्ध को खत्म करने के बजाय उसे जारी रखने जैसा होगा. गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत जेरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ ने मॉस्को के क्रेमलिन में पुतिन से चार घंटे से ज्यादा बातचीत की. यह बैठक अबू धाबी में रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधियों के बीच दो दिन चली बातचीत के बाद हुई. इसके बाद अमेरिकी दूत आयरलैंड की राजधानी डबलिन पहुंचे और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को बातचीत की जानकारी दी. जेलेंस्की और कुशनर ने कहा कि रूस के साथ अगली बातचीत में यूरोपीय देशों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे. हालांकि, रूस ने अभी इस नए बातचीत प्रारूप की पुष्टि नहीं की है. रूस ने डोनेट्स्क, खेरसॉन, लुहांस्क और जापोरिज्जिया को अपना हिस्सा घोषित किया है. हालांकि, इन चारों क्षेत्रों पर उसका पूरा नियंत्रण नहीं है. यूक्रेन और पश्चिमी देश रूस के इस दावे को अवैध मानते हैं. पुतिन ने इन इलाकों पर नियंत्रण की मांग से पीछे हटने से इनकार कर दिया. पुतिन ने पूर्वी यूक्रेन के कोस्त्यंतिनिव्का शहर में थोड़े समय के लिए युद्धविराम और राहत अभियान चलाने का प्रस्ताव दिया. उनका दावा है कि वहां 400 से 500 आम नागरिक फंसे हैं. रूस ने पहले इस शहर पर कब्जे का दावा किया था, लेकिन यूक्रेन का कहना है कि वहां अब भी लड़ाई जारी है।

फ्रांस में बम की धमकी के बाद तीन स्कूल खाली कराए गए,

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में गुरुवार को बम की धमकी मिलने के बाद तीन स्कूलों को खाली कराया गया। हालांकि, बाद में जांच में ये सभी धमकियां झूठी निकलीं। फ्रांसीसी अखबार 'ले पेरिसियन' के मुताबिक, ये तीनों घटनाएं दक्षिणी फ्रांस के मार्सिले, पूर्वी फ्रांस के मोरेज और उत्तर-पूर्वी फ्रांस के लाओन शहर में हुईं। इन जगहों पर स्थित तीन शिक्षण संस्थानों को एहतियातन खाली कराया गया। फ्रांस के शिक्षा मंत्रालय ने बताया कि गुरुवार को बम की धमकी मिलने की तीन घटनाएं सामने आईं। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार को कहा कि फ्रांस बम की धमकियों और चेतावनियों की बढ़ती घटनाओं को लेकर बेहद सतर्क है। चीन की समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, आयरलैंड की राजधानी डबलिन में नौवें यूरोपीय राजनीतिक समुदाय (ईपीसी) शिखर सम्मेलन से इतर पत्रकारों से बातचीत में मैक्रों ने कहा कि इन धमकियों के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के लिए अभी पर्याप्त सबूत नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि फिलहाल किसी विदेशी ताकत को इन घटनाओं के पीछे जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। ये घटनाएं पिछले कुछ दिनों में यूरोप के कई देशों में बम की धमकियां मिलने के बीच हुई हैं। इटली में भी कई स्कूलों को बम की धमकी वाले ईमेल मिले हैं। इतालवी अखबार 'कोरिएरे डेला सेरा' के मुताबिक, ऐसे स्कूलों की शुरुआती संख्या 1,803 बताई गई है।

पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने इमरान खान की दो बहनों को जेल से रिहा किया

लाहौर , एजेंसी। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की दो बहनों को पंजाब सरकार द्वारा उनकी हिरासत के आदेश वापस लिए जाने के बाद गुरुवार को रिहा कर दिया गया. विपक्षी दल पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेताओं ने यह जानकारी दी. पीटीआई के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व संघीय मंत्री मूनिस इलाही ने एक बयान में कहा कि आखिरकार कुछ अच्छी खबर मिली. उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की दो बहनों डॉ. उज्मा खान और नोरीन नियाजी को हिरासत के आदेश वापस लिए जाने के बाद कोट लखपत जेल से रिहा कर दिया गया. उन्होंने कहा, ''उम्मीद है कि अलीमा साहिबा और खान की पत्नी बुशरा बीबी को भी जल्द ही रिहा कर दिया जाएगा.'' पीटीआई के एक अन्य वरिष्ठ नेता जुल्फी बुखारी ने कहा, ''दो बहनों की रिहाई से अन्याय खत्म नहीं हो जाता और न ही इमरान खान के परिवार को दी गई यातनाएं मिट जाती हैं. हमारी मांग स्पष्ट है।

ट्रम्प ने ईरान शांति वार्ता से जेडी वेंस को हटाया

कहा- उपराष्ट्रपति घरेलू मामलों पर ध्यान दें, डेमोक्रेटिक राज्यों में भ्रष्टाचार की जांच करें

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को ईरान के साथ शांति वार्ता से अलग कर दिया है। ट्रम्प ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर कहा कि वेंस अब अमेरिका के डेमोक्रेटिक पार्टी शासित राज्यों और शहरों में भ्रष्टाचार और अपराध की जांच पर ध्यान देंगे। ट्रम्प ने यह भी कहा कि अमेरिका को अब ईरान के साथ किसी समझौते की जरूरत नहीं है। वेंस ने ईरान से बातचीत की कोशिश की थी ट्रम्प ने इस साल की शुरुआत में ईरान के साथ बातचीत की जिम्मेदारी वेंस को दी थी। वेंस इस युद्ध के पक्ष में नहीं थे। अप्रैल में उन्होंने पाकिस्तान जाकर ईरानी नेताओं से कई घंटे बातचीत भी की थी, लेकिन कोई समझौता नहीं हो सका। हाल ही में वेंस ने एक बार फिर ईरान से बातचीत शुरू करने की कोशिश की थी। उन्होंने कतर के जरिए ईरान के बड़े नेता मोहसिन रजाई को पत्र भेजा था। इसमें जल्द ही दोनों देशों के अधिकारियों की बैठक कराने का प्रस्ताव दिया गया था। वेंस ने यह भी कहा था कि वे अमेरिकी टीम की अगुआई करेंगे। लेकिन अब ट्रम्प ने इस कोशिश को रोक दिया है।

वेंस ने ईरान युद्ध को चुनावी हार की वजह बताया था : अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा नुकसान हुआ है। चुनाव के बाद वेंस ने पार्टी की हार के लिए ईरान युद्ध को जिम्मेदार बताया था। उन्होंने सोशल



मीडिया पर लिखा था, 'हमारी हार की वजह युद्ध है।' वेंस ने यह भी कहा था कि अगर किसी को लगता है कि युद्ध की वजह से अगले छह साल तक सीनेट का नियंत्रण गंवाना सही फैसला था, तो वह अपनी बात रख सकता है। वेंस के इस बयान को ट्रम्प प्रशासन की युद्ध नीति की आलोचना माना गया था। हालांकि, ट्रम्प ने कहा था कि उन्हें वेंस की बातों से कोई नाराजगी नहीं है। उन्होंने कहा था कि भले ही कई लोगों को वेंस की टिप्पणी पसंद नहीं आई, लेकिन उन्हें इससे कोई परेशानी नहीं है।

अब डेमोक्रेटिक राज्यों में भ्रष्टाचार की जांच करेंगे वेंस : ट्रम्प ने वेंस को डेमोक्रेटिक पार्टी के शासन वाले शहरों और राज्यों में भ्रष्टाचार और अपराध की जांच पर ध्यान देने को कहा है। अमेरिका के मिनेसोटा राज्य में धोखाधड़ी का एक बड़ा मामला सामने आया है। इस मामले में कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है।वेंस का कैरेबियाई और दक्षिण अमेरिकी देशों का दौरा भी रद्द कर दिया गया है। इस दौरे में डोमिनिकन रिपब्लिक, कोलंबिया, अर्जेंटीना और चिली जाना शामिल था। अधिकारियों के मुताबिक, इस दौरे की तैयारी अक्टूबर से चल रही थी। पहले डोमिनिकन रिपब्लिक का दौरा रद्द हुआ और फिर बाकी देशों की यात्रा भी रोक दी गई। ये सभी देश ट्रम्प प्रशासन के करीबी माने जाते हैं।

होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अब भी तनाव जारी : अमेरिका और ईरान के बीच बड़े सैन्य हमले फिलहाल रुके हुए हैं, लेकिन दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है। होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण को लेकर भी टकराव जारी है। यह समुद्री रास्ता दुनिया के सबसे अहम तेल मार्गों में से एक है। अमेरिका ने ईरान के तेल निर्यात को रोकने के लिए समुद्री नाकेबंदी कर रखी है। वहीं, अमेरिकी नौसेना के जहाज दूसरे देशों के तेल टैंकरों की आवाजाही सुरक्षित रखने के लिए गश्त कर रहे हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और सेना के बड़े अधिकारियों ने ट्रम्प को ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई तेज करने के विकल्प भी दिए हैं। यानी ट्रम्प के पास युद्ध को फिर बढ़ाने का विकल्प मौजूद है। हालांकि, हाल ही में एक इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा था कि अब उन्हें ईरान की परमाणु क्षमता को लेकर पहले जैसी चिंता नहीं है। यही परमाणु कार्यक्रम युद्ध शुरू करने की प्रमुख वजह बताया गया था।

ईरान ने होर्मुज खोलने के लिए शर्त रखी थी : करीब दो सप्ताह पहले ईरान ने कहा था कि अगर अमेरिका उसकी शर्तें मान ले तो वह दो दिन के भीतर होर्मुज स्ट्रेट खोल सकता है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी मिडटर्म चुनाव के बाद सोशल मीडिया पर लिखा था, 'अमेरिकी मतदाताओं ने अपना फैसला सुना दिया है। अब व्हाइट हाउस की बारी है।'

उन्होंने कहा था, अमेरिका और इजराइल ने मिलकर ईरान पर हमला किया था : अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को परमाणु हथियार बनाने का आरोप लगाते हुए ईरान पर हमले शुरू किए थे। इसके बाद ईरान ने भी जवाबी हमले किए और दोनों के बीच जंग शुरू हो गई। अप्रैल की शुरुआत में दोनों पक्षों के बीच सीजफायर हुआ, लेकिन यह ज्यादा समय तक नहीं चला। जून में फिर से सीजफायर और जंग खत्म करने को लेकर समझौता हुआ, लेकिन अगस्त में यह भी टूट गया और तनाव फिर बढ़ गया। अब जंग रोकने को लेकर बातचीत चल रही है।

तालिबान का अघोषित फरमान: पुरुष डॉक्टर नहीं करेंगे महिलाओं का इलाज

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान के अघोषित प्रतिबंधों ने महिलाओं के लिए बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं हासिल करना भी दूभर कर दिया है। 'द गार्जियन' और 'ज़ान टाइम्स' की एक संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार, पुरुष डॉक्टरों और दंत चिकित्सकों (डेंटिस्ट) द्वारा महिला मरीजों के इलाज पर लगी अनौपचारिक रोक ने महिलाओं को बेहद बेबस कर दिया है।

इसी साल ईरान से लौटी हेरात शहर की 37 वर्षीय फरीदा (बदला हुआ नाम) का परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। जुलाई की शुरुआत में दांतों के असहनीय दर्द के कारण वह एक डेंटल क्लिनिक गई। डॉक्टर ने डेंचर लगाने की सलाह दी और पूरा खर्च एडवांस में जमा करवा लिया। लेकिन तीसरे सेशन में, जब इम्प्लांट लगाया जाना था, उन्हें यह कहकर वापस भेज दिया गया कि अभी इलाज नहीं हो सकता, आप घर जाएं। दो दिन बाद क्लिनिक ने बताया कि पुरुष डेंटिस्ट अब महिलाओं का इलाज नहीं कर सकते। तीन महीने के बाद भी फरीदा का इलाज अधूरा है।

पाबंदियों का स्तर इस हद तक पहुंच गया है कि मई में उत्तरी बल्ख प्रांत के अधिकारियों ने सभी सरकारी और निजी अस्पतालों को निर्देश दिया कि महिला मरीजों को उनके असली नाम से न बुलाया जाए। यहां तक कि डॉक्टर के पर्चे पर भी महिलाओं के नाम की जगह 'बीबी' लिखने का आदेश दिया गया है। कुनार प्रांत की रहीमा (बदला हुआ नाम) बताती हैं कि उनकी एक बुजुर्ग रिश्तेदार इलाज के लिए भटकना पड़ा।

छापेमारी और जेल का खौफ : तालिबान सुरक्षा बल क्लिनिकों पर छापेमारी कर रहे हैं। पुरुष डॉक्टरों को चेतावनी दी गई है कि यदि क्लिनिक में महिला मरीज पाई गईं, तो उन्हें जेल में डाल दिया जाएगा। एक सर्जन ने कहा कि उन्हें बिना महरम (पुरुष अभिभावक) के महिला मरीजों का इलाज न करने को कहा गया है।? फरवरी में तालिबान के संचार मंत्री हमदुल्लाह नोमानी ने दावा किया था कि इलाज करते समय पुरुष डॉक्टरों को 'महरम' ही माना जाएगा, लेकिन जमीनी हकीकत इसके ठीक विपरीत है। पूर्वी शहर जलालाबाद के एक डेंटल क्लिनिक में सहायक के रूप में काम करने वाली नरगिस (बदला हुआ नाम) बताती हैं कि कुछ डॉक्टर इलाज के दौरान बाहर एक व्यक्ति को पहरे पर रखते हैं। उनके डॉक्टर अक्सर मजाक में कहते हैं कि ऑफिस में एक 'चादरी' (अफगान बुर्का) रख लेनी चाहिए, ताकि तालिबान अधिकारियों के आने पर वह उसे पहन लें और पकड़े न जाएं।

महिला डॉक्टरों का संकट और तालिबान का दोहरा रवैया : दिसंबर 2024 से महिलाओं के मेडिकल संस्थानों में पढ़ने और अस्पतालों में महिला स्टाफ की भर्ती पर रोक लगने के कारण महिला डॉक्टरों की भारी कमी हो गई है। जो गिनी-चुनी महिला डॉक्टर काम कर रही हैं, उनके लिए भी महरम साथ रखना अनिवार्य है।

अमेरिकी रक्षामंत्री को डांटने वाले सैनिक को मेडल : हेगसेथ ने खुद सम्मानित किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को डांटने वाले सैनिक को खुद उन्होंने मेडल देकर सम्मानित किया है। सैनिक थॉमस इग्लेसियस ने 11 नवंबर को वेटरन्स डे के मौके पर युद्ध स्मारक के पास हेगसेथ और उनकी टीम को चुप रहने की हिदायत दी थी। उस समय टीम के कुछ लोग आपस में बात कर रहे थे और हंस रहे थे। गुरुवार को पेंटागन में हेगसेथ ने इग्लेसियस को जॉइंट सर्विस कमेंडेशन मेडल दिया। हेगसेथ ने सम्मान समारोह की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। उन्होंने लिखा, 'हम अपने सैनिकों से प्यार करते हैं। हमें अनुशासन और तय मानकों पर गर्व है। शाबाश स्पेशलिस्ट, अपना काम जारी रखो।

वेटरन्स डे के कार्यक्रम के बाद हुआ था पूरा मामला : यह घटना बुधवार को अमेरिका के सालाना वेटरन्स डे के मौके पर हुई थी। इस दिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ अर्लिंगटन नेशनल कब्रिस्तान पहुंचे थे। यहां शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के बाद हेगसेथ अपनी पत्नी जेनिफर औरतीन सलाहकार रिकी बुरिया, टैमी राडाबॉ और पैट्रिक वीवर के साथ अज्ञात सैनिक की समाधि (टॉम्ब ऑफ द अननोन सोल्जर) के सामने तस्वीरें खिंचवा रहे थे। इसी दौरान समूह में से किसी के हंसने की आवाज आई। कुछ लोग आपस में बात भी कर रहे थे। वहां ड्यूटी पर तैनात सैनिक थॉमस इग्लेसियस ने उन्हें तुरंत टोका। उन्होंने आवाज लगाकर कहा, 'सभी लोग हर समय शांति और सम्मान बनाए रखें।' इस घटना का वीडियो भी सामने आया था। वीडियो सामने आने के बाद पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता सीन पार्नेल ने सैनिक का समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि सैनिक ने सही और सम्मानजनक तरीके से सभी को वहां शांति बनाए रखने की याद दिलाई। यह अमेरिका के सबसे सम्मानित युद्ध स्मारकों में से एक है। यहां उन सैनिकों को दफनाया गया है, जिनकी युद्ध में मौत के बाद पहचान नहीं हो सकी थी। इनमें प्रथम विश्व युद्ध, द्वितीय विश्व युद्ध और कोरियाई युद्ध में मारे गए।

यूएई में बेकाबू ट्रक ने 23 वाहनों को टक्कर मारी, 3 भारतीयों समेत 14 की मौत

दुबई/ फुजैराह , एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह में गुरुवार देर रात एक बेकाबू ट्रक ने 23 वाहनों को टक्कर मार दी। हादसे में तीन भारतीयों समेत 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 लोग घायल हुए है। मरने वाले भारतीय केरल के मलप्पुरम जिले के एक ही परिवार के थे। इनमें जुड़वा भाई-बहन भी शामिल हैं। टक्कर के बाद कई गाड़ियों में आग लग गई। कुछ शव बुरी तरह जल गए हैं, इसलिए मृतकों की पहचान के लिए डीएनए जांच कराई जा रही है।

हादसे में 7 देशों के नागरिकों की मौत : यूएई के गृह मंत्रालय के मुताबिक, हादसे में मारे गए लोगों में यूएई, ओमान, भारत, ब्राजील, पाकिस्तान, जॉर्डन और मिस्र के नागरिक शामिल हैं। हादसे में घायल 30 लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया था। इनमें से करीब आधे लोगों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। बाकी का इलाज जारी है।

केरल सरकार ने मृतकों के परिवार की मदद के आदेश दिए



हादसे में जान गंवाने वाले तीनों भारतीय की पहचान मुहम्मद अस्मिल, उनकी जुड़वा बहन मिस्ना जुबिन और मुहम्मद फैज के रूप में हुई है। केरल के मुख्यमंत्री वीडी. सतीशन ने पीड़ित परिवार की मदद के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने परिवार को जरूरी सहायता उपलब्ध कराने को कहा है। दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने भी भारतीय नागरिकों की मौत की पुष्टि की है। दूतावास ने कहा कि वह पीड़ित परिवारों के संपर्क में है और स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर उन्हें हर संभव मदद दे रहा है। टक्कर के बाद गाड़ियों में आग फैली यूएई के गृह मंत्रालय के मुताबिक, हादसा फुजैराह शहर के एंट्री रूट पर आधी रात से कुछ समय पहले हुआ। सड़क पर ट्रैफिक धीमी गति से चल रहा था। इसी दौरान एक ट्रक के चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। ट्रक पहले एक वाहन से टकराया और फिर पलटकर सड़क पर धीमी रफ्तार से चल रहे या रुके हुए वाहनों से जा भिड़ा। टक्कर के बाद लगी आग तेजी से आसपास की गाड़ियों में फैल गई। हादसे में कुल 23 वाहन शामिल थे, जिनमें 18 कारें और 5 ट्रक थे। सूचना मिलते ही पुलिस, एंबुलेंस और सिविल डिफेंस की टीमें मौके पर पहुंचीं। बचावकर्मियों ने आग बुझाने, घायलों को निकालने और उन्हें अस्पताल पहुंचाने का काम किया।

एंट्री गेट पर धीमी रफ्तार वाहनों से जा टकराया ट्रक 23 गाड़ियां हुईं क्षतिग्रस्त : यूएई के गृह मंत्रालय के अनुसार, यह दुर्घटना फुजैराह के एंट्री गेट पर आधी रात से कुछ समय पहले हुई, जब सड़क पर वाहन धीमी गति से चल रहे थे। हादसे में कुल 23 वाहन शामिल थे, जिनमें पांच ट्रक भी थे। मंत्रालय ने बताया कि टक्कर लगते ही ट्रक में आग भड़क उठी, जो देखते ही देखते आसपास खड़े और फंसे हुए अन्य वाहनों तक फैल गई। आग की लपटों के कारण बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ।

मृतकों की पहचान के लिए डीएनए जांच, भारतीय दूतावास सक्रिय : अस्पताल में घायलों का उपचार: फुजैराह पुलिस ने जानकारी दी कि दुर्घटना में घायल हुए सभी 30 लोगों को तत्काल नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। आग में झुलसने के कारण मृतकों की शिनाख्त के लिए डीएनए जांच का सहारा लिया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक मृतकों में यूएई के कुछ स्थानीय नागरिक शामिल हैं। वहीं, यूएई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने पुष्टि की है कि इस हादसे में भारतीय नागरिकों की भी जान गई है।

अमेरिकी नौसेना में कार्रवाई से मचा बवाल: पनडुब्बी और युद्धपोत के कमांडर हटाए; कांग्रेस ने मांगा जवाब

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी नौसेना में पिछले कुछ महीनों के दौरान कई वरिष्ठ अधिकारियों को बिना सार्वजनिक घोषणा के उनके पदों से हटा दिया गया। आमतौर पर नौसेना ऐसे फैसलों की आधिकारिक जानकारी साझा करती है, लेकिन इस बार गोपनीयता बरतने से अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य नाराज हैं। सांसदों का कहना है कि महत्वपूर्ण सैन्य पदों पर तैनात अधिकारियों को हटाने की जानकारी कांग्रेस को भी नहीं दी गई। इससे नौसेना की पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल खड़े हो गए हैं।

पनडुब्बी की पूरी नेतृत्व टीम पर गिरी गाज : दो डेमोक्रेटिक सांसदों के मुताबिक, पिछले महीने समुद्र के भीतर किसी वस्तु से टकराने की घटना के बाद नौसेना ने परमाणु ऊर्जा से संचालित अटैक पनडुब्बी यूएसएस साउथ डकोटा की पूरी



नेतृत्व टीम को हटा दिया। इसमें पनडुब्बी के कमांडर, उनके डिप्टी और सबसे वरिष्ठ नाविक शामिल थे। हैरानी की बात यह है कि नौसेना ने न तो इस कार्रवाई की सार्वजनिक घोषणा की और न ही टक्कर की घटना पर विस्तृत जानकारी दी।

ईरान के खिलाफ तैनात युद्धपोत की कमांडर भी हटाई : एक अमेरिकी रक्षा अधिकारी के अनुसार, नौसेना ने 27 सितंबर को यूएसएस माइकल मर्फी डिस्ट्रॉयर की कमांडर कैटलिन कनिंघम को भी पद से हटा दिया। यह युद्धपोत ईरान के खिलाफ अभियानों में सहायता के लिए मध्य पूर्व में तैनात था। कनिंघम को हटाने का कारण 'भरोसा खत्म होना' (लॉस ऑफ कॉन्फिडेंस) बताया गया। उन्हें कमांडर की जिम्मेदारी संभाले अभी एक साल भी पूरा नहीं हुआ था। अधिकारी ने संवेदनशील जानकारी होने के कारण अपनी पहचान गोपनीय रखी।

पुरानी परंपरा से अलग नौसेना की कार्रवाई : अमेरिकी नौसेना में किसी कमांडर को हटाए जाने पर आमतौर पर कुछ ही दिनों में आधिकारिक घोषणा की जाती है। हालांकि, कनिंघम के मामले में ऐसा नहीं हुआ। मीडिया के सवालों पर भी नौसेना ने कोई टिप्पणी नहीं की। पनडुब्बी की नेतृत्व टीम को हटाने की जानकारी भी कांग्रेस को समय पर नहीं दी गई। इस रवैये को नौसेना की स्थापित सूचना साझा करने की परंपरा से अलग माना जा रहा है। कनेक्टिकट के जो कर्टनी और वाशिंगटन के एडम स्मिथ ने नौसेना के शीर्ष अधिकारियों को पत्र लिखकर नाराजगी जताई है। कार्यवाहक नौसेना सचिव हंग काओ और एडमिरल डेरिल कॉडल को भेजे गए पत्र में उन्होंने कहा कि यूएसएस साउथ डकोटा की नेतृत्व टीम को हटाने की जानकारी हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी को नहीं देना निराशाजनक है। सांसदों के मुताबिक, इस तरह की जानकारी साझा नहीं करने से नौसेना की पारदर्शिता और कांग्रेस के साथ उसके कामकाजी संबंध प्रभावित होते हैं। मोनाहन नौसेना में रियर एडमिरल होने के साथ कांग्रेस और सुप्रीम कोर्ट के अटेंडिंग फिजिशियन भी रहे हैं। उन्होंने करीब 18 वर्षों तक इस कार्यालय का नेतृत्व किया।

एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग ने दिया इस्तीफा, चीनी जासूस से संबंधों के आरोपों के बीच फैसला

न्यूयॉर्क, एजेंसी। एआई हार्डवेयर कंपनी एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग ने गुरुवार को इस्तीफा दे दिया। यह फैसला उन आरोपों के बाद सामने आया है, जिनमें दावा किया गया है कि जिस महिला के साथ उनका संबंध था, वह चीन की खुफिया एजेंसी से जुड़ी हो सकती है। बताया गया है कि एनवीडिया के निदेशक मंडल ने बुधवार को कई घंटों तक बैठक की, जिसके बाद कंपनी की मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) कोलेट क्रेस को अंतरिम प्रमुख नियुक्त किया गया। रिपोर्टों के अनुसार, हुआंग ने स्वीकार किया है कि उनका एक ऐसी महिला के साथ संबंध था, जिस पर चीन के लिए जासूसी करने का संदेह है। कुछ स्वतंत्र मीडिया रिपोर्टों में यह भी दावा किया गया है कि वह अपनी कंपनी में काम करने वाली एक अन्य महिला के साथ भी संबंधों में थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह मामला एलिस ले हुआंग (जिनका जेनसन हुआंग से कोई पारिवारिक संबंध नहीं बताया गया है) से जुड़ा है और इसने तकनीक, व्यापार और सरकार के उच्च स्तर तक हलचल पैदा कर दी है।

कहा जा रहा है कि इस विवाद का असर अमेरिकी राजनीति, अंतरराष्ट्रीय संबंधों, तकनीकी क्षेत्र और शेयर बाजार तक पहुंचा है। यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले सप्ताह एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन के लिए चीन जाने की तैयारी कर रहे हैं, जहां उनकी मुलाकात चीनी राष्ट्रपति शी



जिनपिंग से होनी है।

चीन ने एलिस हुआंग के किसी भी खुफिया संबंध से इनकार किया है। जेनसन हुआंग को ट्रंप के करीबी उद्योगपतियों में माना जाता रहा है। उन्होंने चीन को उन्नत चिप्स बेचने पर लगे कुछ प्रतिबंधों में ढील देने की पैरवी की थी। उनका तर्क था कि पूरी तरह प्रतिबंध लगाने से एआई क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा प्रभावित हो सकती है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस मामले ने ट्रंप प्रशासन के भीतर भी मतभेदों को उजागर किया है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने जासूसी आरोपों की जानकारी ट्रंप को दी थी, जबकि वाणिज्य मंत्री हावर्ड लटनिक जैसे कुछ लोग चीन को चिप्स बेचने के पक्ष में बताए गए। सोमवार को ट्रंप ने हुआंग का बचाव करते हुए कहा था, 'मैं जेनसन को बहुत अच्छी तरह जानता हूं। मुझे लगता है कि वह बेहद सम्मानित व्यक्ति हैं।' बताया गया है कि हुआंग ने ट्रंप से कहा था कि उन्हें एलिस हुआंग और चीन की जासूसी व्यवस्था के बीच किसी संभावित संबंध की जानकारी नहीं थी।

रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म होने की उम्मीद: जेलेंस्की से मिले ट्रंप के दूत

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने आयरलैंड में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर से मुलाकात की। यह बैठक ऐसे समय हुई, जब दोनों अमेरिकी दूत इससे पहले मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत कर चुके थे। बैठक में रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के लिए राजनयिक प्रयासों, कैदियों की अदला-बदली और शांति वार्ता में यूरोप की भूमिका बढ़ाने पर चर्चा हुई।

कैदियों की सबसे बड़ी अदला-बदली की तैयारी : जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इस मुलाकात के तीन प्रमुख नतीजों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि युद्ध शुरू होने के बाद से कैदियों की अब तक की सबसे बड़ी अदला-बदली की तैयारी की जा रही है। जेलेंस्की ने इसे बातचीत का पहला मानवीय नतीजा बताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस पहल से बड़ी संख्या में युद्धबंदियों की रिहाई का रास्ता साफ होगा।

शांति वार्ता में यूरोप को बराबर की भागीदारी : जेलेंस्की ने कहा कि दूसरा बड़ा नतीजा राजनयिक प्रयासों में यूरोपीय प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाना है। यूक्रेन चाहता



है कि शांति वार्ता की मेज पर यूरोप को भी बराबर की जगह मिले। उनके मुताबिक, यूक्रेन पूरे यूरोप के हितों की रक्षा करता है और इसलिए इस प्रक्रिया में यूरोपीय देशों की भूमिका महत्वपूर्ण है।

बहुपक्षीय बैठकों का भी बनेगा रास्ता : यूक्रेनी राष्ट्रपति ने बताया कि शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए कुछ और बहुपक्षीय बैठकों की तैयारी की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यूक्रेन राजनयिक प्रयास जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। इन बैठकों का उद्देश्य रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष का समाधान निकालने के लिए बातचीत को आगे बढ़ाना है।

मॉस्को में पुतिन से मिले थे अमेरिकी दूत : आयरलैंड में हुई बैठक से पहले विटकॉफ और कुशनर ने मॉस्को के क्रेमलिन में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। इस दौरान रूस, यूक्रेन और अमेरिका के बीच चल रही बातचीत के ताजा घटनाक्रमों की समीक्षा की गई। यह बैठक अबू धाबी में दो दिनों तक चली त्रिपक्षीय बातचीत के बाद हुई थी। हालांकि, अबू धाबी वार्ता में कोई बड़ा समझौता नहीं हुआ, लेकिन कैदियों की अदला-बदली सहित कुछ मुद्दों पर प्रगति हुई। विटकॉफ ने बातचीत को बताया सकारात्मक मॉस्को से रवाना होने से पहले वुनुकोवो हवाई अड्डे पर सीएनएन से बातचीत में विटकॉफ ने वार्ता को सकारात्मक बताया। उन्होंने कहा कि बातचीत में प्रगति हुई है और त्रिपक्षीय वार्ता दोबारा शुरू करना अपने आप में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उनके मुताबिक, अगली बैठक भी तय कर ली गई है। विटकॉफ ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप संघर्ष को बातचीत के जरिए समाप्त करने के प्रयास कर रहे हैं और इस दिशा में आगे बढ़ना उनकी प्राथमिकता है। उन्हें उम्मीद है कि इस बातचीत से अगले दौर की बहुपक्षीय वार्ता को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। विटकॉफ ने यह भी कहा कि यूरोपीय देश अमेरिका के साझेदार हैं और शांति प्रक्रिया में उनकी भागीदारी जरूरी है।

सम्पादकीय

सड़क हादसों ने फिर उठाए सुरक्षा पर सवाल, एक दिन में 13 लोगों की मौत



शरद कटियार
सम्पादक/संस्थापक
यूथ इण्डिया
youthindianews@gmail.com

उत्तराखंड में मंगलवार का दिन कई परिवारों के लिए कभी न भूलने वाला दुख लेकर आया। प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में हुए दो भीषण सड़क हादसों में कुल 13 लोगों की जान चली गई, जबकि 25 लोग घायल हो गए। पहली दुर्घटना में श्रद्धालुओं और यात्रियों से भरी बस अनियंत्रित होकर नदी में जा गिरी। वहीं, दूसरे हादसे में बोलेरो वाहन गहरी खाई में गिर गया। इन दोनों घटनाओं ने एक बार फिर पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा, वाहन संचालन और यातायात व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंता पैदा कर दी है।

पहाड़ों की खूबसूरत वादियों में सफर करना जितना आकर्षक होता है, वहां की सड़कों पर यात्रा करना उतना ही सावधानी भरा काम है। संकरे रास्ते, तीखे मोड़, ऊंचाई और गहरी खाइयां वाहन चालकों के सामने कई तरह की चुनौतियां खड़ी करती हैं। ऐसे में थोड़ी सी असावधानी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। हालांकि, किसी दुर्घटना के पीछे वास्तविक वजह क्या रही, इसका पता जांच पूरी होने के बाद ही चल सकता है। लेकिन लगातार सामने आने वाली ऐसी घटनाएं बताती हैं कि सड़क सुरक्षा को लेकर और गंभीर प्रयास करने की जरूरत है।

पहला हादसा ऋषिकेश में बदरीनाथ हाईवे पर हुआ। जानकारी के अनुसार, हरिद्वार से जोशीमठ की ओर जा रही विश्वनाथ सेवा की एक बस मंगलवार तड़के अनियंत्रित होकर नदी में जा गिरी। बस में आठ राज्यों से आए श्रद्धालु और अन्य यात्री सवार थे। इस दुर्घटना में नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 यात्री घायल हो गए। हादसे की खबर मिलते ही इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर मदद करने का प्रयास किया। सूचना मिलने के बाद पुलिस, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) और अन्य राहत-बचाव दल मौके पर पहुंचे। इसके बाद यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए अभियान शुरू किया गया।

नदी में बस गिरने के कारण बचाव दल के सामने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियां थीं। इसके बावजूद राहतकर्मियों ने अभियान चलाकर यात्रियों को बाहर निकाला। घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। जो लोग अपने घरों से धार्मिक यात्रा और दूसरे कामों के लिए निकले थे, उनके परिवारों को इस दुर्घटना ने गहरा सदमा पहुंचाया।

इस हादसे ने एक बार फिर चारधाम और अन्य धार्मिक मार्गों पर चलने वाले वाहनों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े किए हैं। इन मार्गों पर देश के अलग-अलग हिस्सों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। उत्तराखंड में दूसरी दुखद घटना में एक बोलेरो वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया। इस दुर्घटना में चार लोगों की जान चली गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत-बचाव दल घटनास्थल पर पहुंचे। इसके बाद बचाव कार्य शुरू किया गया।

पहाड़ी इलाकों में खाई में वाहन गिरने की घटनाओं में राहत अभियान चलाना अक्सर चुनौतीपूर्ण होता है। कई स्थानों पर सड़क और घटनास्थल के बीच काफी ऊंचाई का अंतर होता है। ऐसे में बचावकर्मियों को घायलों और दुर्घटनाग्रस्त वाहन तक पहुंचने के लिए कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। इस हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। यह स्पष्ट होना जरूरी है कि दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई और क्या इसमें सड़क की स्थिति, वाहन की तकनीकी खराबी या कोई अन्य कारण जिम्मेदार था। जांच के निष्कर्षों के आधार पर भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा सकते हैं।

उत्तराखंड का अधिकांश भौगोलिक क्षेत्र पहाड़ी है। यहां कई सड़कें पहाड़ों को काटकर बनाई गई हैं। इन रास्तों पर एक ओर ऊंचे पहाड़ होते हैं, तो दूसरी ओर गहरी खाइयां या नदी-नाले मौजूद रहते हैं। कई स्थानों पर सड़कें संकरी हैं और मोड़ भी काफी तीखे हैं। मैदानी इलाकों की तुलना में पहाड़ी रास्तों पर वाहन चलाने के लिए अधिक अनुभव और सतर्कता की आवश्यकता होती है। खासकर बड़े यात्री वाहनों को चलाते समय चालक की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। बस या अन्य भारी वाहनों में अधिक संख्या में यात्री सफर करते हैं, इसलिए छोटी सी गलती भी कई लोगों की जान को खतरे में डाल सकती है।

प्रधान संपादक

मन में पाले रोग॥

सत्य छोड़कर जो चले, कैसे पावें मान।
वेश बदलने से कभी, बदले ना इंसान॥

जागो, अब संसार के, टूट रहे विश्वास।
आज मुखौटों दौर में, सत्य हुआ वनवास॥

कर्मों से पहचानिए, ऊँचे-नीचे लोग।
वाणी में अमृत भरा, मन में पाले रोग॥

धर्म नहीं आडंबरों, धर्म हृदय का भाव।
सेवा, सच्चाई जहाँ, खिलता वहाँ स्वभाव॥

जागो अपनी चेतना, पहचानो परिवेश।
सत्य बचाने के लिए, बदलो अपना वेश॥

मंदिर-मस्जिद घूमकर, मन में रखकर द्वेष।
कैसे पाएँ शांति हम, कैसा अपना देश॥

चेहरे पर मुस्कान है, भीतर छल का जाल।
ऐसे झूठे संत से, रहना सदा सँभाल॥

ज्ञान बाँटने से बढ़े, घटता नहीं विचार।
अहंकार की धूल से, धुँधला होता सार॥

भीड़ देखकर मत चलो, अपना रखो विवेक।
सच के पथ पर जो चले, उसका साथी एक॥

जागो अब इंसान तुम, छोड़ो झूठी शान।
समय नहीं फिर लौटता, समझो इसका मान॥



डॉ. प्रियंका 'सौरभ'
(कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं।)
प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

प्रेस और मीडिया के शोर में कहां खो गई पत्रकारिता? प्रेस दिवस पर आत्ममंथन जरूरी

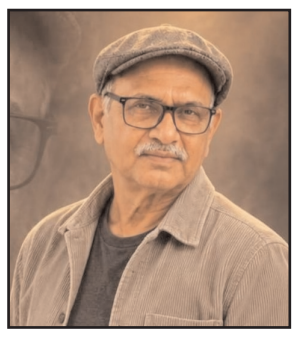

पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। इसका मूल उद्देश्य समाज को सही, निष्पक्ष और विश्वसनीय जानकारी देना, सत्ता से सवाल पूछना, जनसमस्याओं को सामने लाना और जनता की आवाज बनना है। लेकिन आज के बदलते मीडिया परिवेश में एक महत्वपूर्ण सवाल उठता है—क्या पत्रकारिता अपने मूल उद्देश्यों को पूरा कर रही है या खबरों के शोर, प्रतिस्पर्धा और व्यावसायिक हितों के बीच कहीं खोती जा रही है?

प्रेस दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन या बधाई देने का अवसर नहीं होना चाहिए। यह पत्रकारिता के मूल्यों, जिम्मेदारियों और वर्तमान स्थिति पर आत्ममंथन करने का अवसर भी है।

अक्सर प्रेस, मीडिया और पत्रकारिता को एक ही अर्थ में इस्तेमाल किया जाता है, जबकि इनके अर्थ और कार्यक्षेत्र अलग-अलग हैं। प्रेस का पारंपरिक अर्थ समाचार-पत्रों, पत्रिकाओं और मुद्रित प्रकाशनों से जुड़ा है। मीडिया एक व्यापक शब्द है, जिसमें समाचार-पत्र, टेलीविजन, रेडियो, डिजिटल पोर्टल, वेबसाइट और सोशल मीडिया जैसे सभी संचार माध्यम शामिल हैं। दूसरी ओर, पत्रकारिता एक पेशेवर और नैतिक प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य तथ्यों की जांच करना, घटनाओं का विश्लेषण करना और समाज तक सत्य एवं विश्वसनीय जानकारी पहुंचाना है।

हर मीडिया प्लेटफॉर्म पत्रकारिता नहीं करता और हर समाचार प्रस्तुत करने वाला व्यक्ति आवश्यक रूप से पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों का पालन नहीं करता। इसलिए प्रेस दिवस मनाने से पहले इन बुनियादी अंतर को समझना आवश्यक है।

आज कई समाचार चैनलों पर गंभीर मुद्दों की तुलना में बहस, आरोप-प्रत्यारोप, विवाद और सनसनीखेज प्रस्तुतियों को अधिक स्थान मिलता है। कई बार समाचारों को इस तरह प्रस्तुत किया जाता है कि दर्शकों का ध्यान आकर्षित हो, भले ही वास्तविक मुद्दा पीछे छूट जाए। टीआरपी, क्लिक, व्यूज और विज्ञापन की प्रतिस्पर्धा ने समाचारों की प्रस्तुति को प्रभावित किया है। कुछ मीडिया संस्थान तेज खबर देने की होड़ में तथ्यों की पूरी जांच किए बिना जानकारी प्रसारित कर देते हैं। इसका परिणाम अफवाहों, गलत सूचनाओं और सामाजिक भ्रम के रूप में सामने आता है।

हालांकि सभी मीडिया संस्थानों और पत्रकारों को एक ही नजर से देखना उचित नहीं है। आज भी अनेक पत्रकार कठिन परिस्थितियों में ईमानदारी और साहस के साथ अपना कार्य कर रहे हैं।

स्वस्थ लोकतंत्र में पत्रकारिता का महत्वपूर्ण दायित्व सरकार, प्रशासन और शक्तिशाली संस्थाओं से जवाबदेही सुनिश्चित करने वाले सवाल पूछना है। पत्रकार का काम किसी व्यक्ति या संस्था का प्रचार करना नहीं, बल्कि जनता के हित में तथ्यों को सामने लाना है।

गरीबी, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसानों की समस्याएं, महिला सुरक्षा, पर्यावरण प्रदूषण और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को पर्याप्त स्थान मिलना चाहिए। पत्रकारिता का मूल्य केवल इस बात से तय नहीं होना चाहिए कि कितनी बड़ी खबर दिखाई गई, बल्कि इससे भी कि उस खबर से समाज को कितना लाभ हुआ।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

सटीक जनसंख्या आँकड़ों के बिना नीतियों की सफलता अधूरी



डॉ सत्यवान सौरभ

लोकतंत्र में शासन की सफलता केवल योजनाएँ बनाने और बजट आवंटित करने से सुनिश्चित नहीं होती, बल्कि इस बात से तय होती है कि सरकार की नीतियाँ समाज की वास्तविक आवश्यकताओं को कितना समझती हैं। किसी देश की जनसंख्या कितनी है, उसमें बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों, युवाओं और विभिन्न सामाजिक समूहों की हिस्सेदारी क्या है, कितने लोग ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं और कितने शहरी क्षेत्रों में, कितने परिवार गरीबी, अशिक्षा तथा बुनियादी सुविधाओं के अभाव से जूझ रहे हैं—इन सभी प्रश्नों का व्यवस्थित उत्तर जनगणना से मिलता है। इसलिए जनगणना केवल लोगों की गिनती करने की प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि देश की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक वास्तविकताओं को समझने का सबसे व्यापक माध्यम है।

भारत जैसे विशाल, विविधतापूर्ण और बहुस्तरीय समाज में विश्वसनीय जनगणना आँकड़ों का महत्त्व और भी बढ़ जाता है। वर्ष 2011 के बाद प्रस्तावित जनगणना 2027 इसलिए ऐतिहासिक महत्त्व रखती है, क्योंकि इसके माध्यम से देश को लंबे अंतराल के बाद नई जनसांख्यिकीय तस्वीर प्राप्त होगी। डिजिटल तकनीक, ऑनलाइन डेटा संग्रह और वास्तविक समय में निगरानी जैसी व्यवस्थाएँ इस प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम हैं। लेकिन तकनीक का इस्तेमाल तभी सार्थक होगा, जब आँकड़ों की शुद्धता, निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित हो।

विश्वसनीय जनगणना का पहला और सबसे महत्त्वपूर्ण पक्ष कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन है। भारत में खाद्य सुरक्षा, आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी अनेक योजनाएँ जनसंख्या संबंधी आँकड़ों पर निर्भर करती हैं। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत लाभार्थियों की पहचान हो या प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए आवासीय आवश्यकताओं का आकलन, सटीक आँकड़े नीति निर्माण की बुनियाद तैयार करते हैं। यदि जनगणना में किसी क्षेत्र की आबादी कम दर्ज होती है, तो वहाँ वास्तविक आवश्यकता के अनुपात में संसाधन नहीं पहुँच पाते। इसका सबसे अधिक नुकसान गरीबों, प्रवासी श्रमिकों, बेघर लोगों और वंचित समुदायों को उठाना पड़ता है।

दूसरा महत्त्वपूर्ण पक्ष संसाधनों का न्यायसंगत वितरण है। सरकार को यह तय करना होता है कि कहाँ नए विद्यालय खोले जाएँ, किन क्षेत्रों में अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों की आवश्यकता है, कहाँ सड़क, पेयजल और परिवहन सुविधाओं का विस्तार किया जाए तथा किस क्षेत्र में रोजगार और कौशल विकास कार्यक्रमों को प्राथमिकता मिले। उदाहरण के लिए, तेजी से बढ़ती शहरी आबादी वाले क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन, आवास और स्वच्छता सुविधाओं की माँग अधिक होती है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं, कृषि आधारित आधारभूत संरचना और शिक्षा की विशेष आवश्यकता हो सकती है। जनगणना के विश्वसनीय आँकड़े इन प्राथमिकताओं को निर्धारित करने में सहायता करते हैं।

जनगणना का लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व से भी गहरा संबंध है। लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन की प्रक्रिया में जनसंख्या संबंधी आँकड़ों की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। जनसंख्या में होने वाले बदलावों को समझे बिना राजनीतिक प्रतिनिधित्व में संतुलन स्थापित करना कठिन है। इसी प्रकार वित्त आयोग को राज्यों के बीच वित्तीय संसाधनों के वितरण संबंधी सिफारिशें तैयार करने में जनसांख्यिकीय तथ्यों सहित अनेक मानकों का सहारा लेना पड़ता है। इस प्रकार जनगणना के आँकड़े केवल प्रशासनिक सुविधा नहीं, बल्कि संघीय व्यवस्था और लोकतांत्रिक संतुलन के भी आधार हैं।

हालाँकि, विश्वसनीय जनगणना सुनिश्चित करना आसान कार्य नहीं है। भारत की भौगोलिक विविधता, विशाल जनसंख्या, सामाजिक विषमताएँ और तेजी से बदलती जीवनशैली इसके सामने अनेक चुनौतियाँ प्रस्तुत करती हैं। सबसे बड़ी चुनौती जनसंख्या की सही गणना सुनिश्चित करना है। प्रवासी श्रमिक, बेघर नागरिक, घुमंतू समुदाय, दूरदराज के आदिवासी समूह और अस्थायी रूप से रहने वाले लोग अक्सर गणना की प्रक्रिया से छूट सकते हैं। महानगरों में काम की तलाश में आने वाले श्रमिकों का निवास अस्थायी होता है। ऐसे लोगों की सही गणना और उपयुक्त स्थान पर उनका पंजीकरण एक जटिल प्रशासनिक चुनौती है। यदि ये समूह आँकड़ों से बाहर रह जाते हैं, तो उनकी वास्तविक समस्याएँ भी नीतिगत प्राथमिकताओं में पीछे छूट सकती हैं।

दूसरी चुनौती डिजिटल असमानता है। जनगणना में मोबाइल एप्लीकेशन, डिजिटल उपकरणों और ऑनलाइन निगरानी का उपयोग प्रक्रिया को तेज तथा व्यवस्थित बना सकता है, लेकिन देश के सभी क्षेत्रों में डिजिटल सुविधाएँ समान रूप से उपलब्ध नहीं हैं। इंटरनेट कनेक्टिविटी की कमी, बिजली की अनियमित आपूर्ति, तकनीकी उपकरणों की अनुपलब्धता और डिजिटल साक्षरता का अभाव दूरस्थ ग्रामीण एवं पहाड़ी क्षेत्रों में कठिनाइयाँ पैदा कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, तकनीकी प्रणाली में गड़बड़ी या डेटा अपलोड करने में त्रुटि भी आँकड़ों की गुणवत्ता प्रभावित कर सकती है।

तीसरी चुनौती मानवीय और प्रशासनिक त्रुटियों से जुड़ी है। जनगणना का बड़ा हिस्सा गणनाकर्मियों द्वारा घर-घर जाकर जानकारी एकत्र करने पर आधारित होता है। यदि गणनाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण न मिले या प्रश्नों की व्याख्या में एकरूपता न हो, तो गलत जानकारी दर्ज हो सकती है। कई बार उत्तरदाता भी सामाजिक संकोच, जानकारी के अभाव अथवा सरकारी लाभ प्रभावित होने की आशंका के कारण सही जानकारी देने से बचते हैं। भाषा, स्थानीय बोलियों और सामाजिक परिस्थितियों की विविधता इस समस्या को और जटिल बनाती है।

इसके साथ ही निजता और व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा का प्रश्न भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। डिजिटल युग में नागरिकों के मन में यह आशंका हो सकती है कि उनके द्वारा दी गई व्यक्तिगत जानकारी का दुरुपयोग किया जाएगा। यदि लोगों को यह विश्वास नहीं होगा कि उनकी जानकारी सुरक्षित और गोपनीय रहेगी, तो वे जनगणना में सहयोग करने से हिचक सकते हैं। इसलिए डेटा सुरक्षा केवल तकनीकी विषय नहीं, बल्कि जनगणना की विश्वसनीयता से जुड़ा सामाजिक और लोकतांत्रिक प्रश्न भी है।

इन चुनौतियों के समाधान के लिए सबसे पहले गणनाकर्मियों का व्यापक और व्यावहारिक प्रशिक्षण आवश्यक है। उन्हें स्थानीय भाषा, सामाजिक संरचना, प्रश्नावली और डिजिटल उपकरणों के इस्तेमाल की समुचित जानकारी दी जानी चाहिए। दूसरा, वास्तविक समय में निगरानी की व्यवस्था विकसित की जाए, ताकि डेटा संग्रह के दौरान ही असामान्य प्रविष्टियों, दोहराव और संभावित त्रुटियों की पहचान हो सके। तीसरा, स्वतंत्र सत्यापन और नमूना आधारित पुनः जाँच की व्यवस्था होनी चाहिए, जिससे आँकड़ों की गुणवत्ता का निष्पक्ष मूल्यांकन किया जा सके।

इसके अतिरिक्त, डिजिटल माध्यमों के साथ पारंपरिक गणना विकल्प भी उपलब्ध रहने चाहिए, ताकि तकनीकी सुविधाओं से वंचित क्षेत्रों की आबादी छूटने न पाए। प्रवासी श्रमिकों, बेघर नागरिकों, घुमंतू समुदायों और दूरस्थ बस्तियों तक पहुँचने के लिए विशेष रणनीति बनाई जानी चाहिए। जनगणना के उद्देश्य, प्रक्रिया और गोपनीयता संबंधी प्रावधानों के बारे में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाना भी जरूरी है।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

सकारात्मक विचारों की शक्तिः शांत मन और पवित्र भावनाओं से संवरेगा जीवन

यूथ इंडिया

मनुष्य के जीवन में उसके विचारों का बहुत गहरा महत्व होता है। जिस प्रकार सुबह होते ही सूर्य की पहली किरण अंधकार को दूर कर देती है, उसी तरह सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास और अच्छे संस्कार मन के भीतर छिपी नकारात्मकता को समाप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जिस व्यक्ति के विचार निर्मल होते हैं और जिसका मन विश्वास, प्रेम तथा सद्भाव से भरा रहता है, वह जीवन की कठिन परिस्थितियों का सामना अधिक धैर्य और समझदारी के साथ कर पाता है।

वास्तव में मनुष्य की सोच ही उसके व्यक्तित्व और व्यवहार को दिशा देती है। हम जैसा सोचते हैं, धीरे-धीरे वैसा ही हमारा नजरिया और जीवनशैली बनने लगती है। यदि मन में हमेशा डर, क्रोध, ईर्ष्या, चिंता और निराशा बनी रहे, तो जीवन की छोटी-छोटी परेशानियां भी बड़ी दिखाई देने लगती हैं। इसके विपरीत, आशावादी सोच रखने वाला व्यक्ति मुश्किल समय में भी समाधान खोजने का प्रयास करता है। इसलिए जीवन को बेहतर बनाने के लिए सबसे पहले अपने विचारों को बेहतर बनाना आवश्यक है।

मन और शरीर का आपस में गहरा संबंध है। हमारी मानसिक स्थिति का प्रभाव हमारे शारीरिक स्वास्थ्य और दैनिक जीवन पर भी दिखाई देता है। लगातार तनाव, चिंता और मानसिक दबाव रहने से नींद, ऊर्जा और सामान्य स्वास्थ्य प्रभावित हो सकते हैं। वहीं मन शांत रहने पर व्यक्ति अपने कामों को अधिक एकाग्रता और उत्साह के साथ कर पाता है।

आज के समय में विज्ञान भी इस बात को स्वीकार करता है कि मानसिक तनाव और शारीरिक स्वास्थ्य एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। हालांकि केवल सकारात्मक सोच से हर बीमारी ठीक नहीं हो सकती, लेकिन अच्छी मानसिक स्थिति स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और कठिनाइयों से निपटने में मदद कर सकती है। इसलिए शरीर की देखभाल के साथ-साथ मन की सेहत का ध्यान रखना भी जरूरी है।

क्रोध, ईर्ष्या, लालच, अहंकार और द्वेष जैसी भावनाएं इंसान की मानसिक शांति को प्रभावित करती हैं। जब व्यक्ति इन भावनाओं को अपने ऊपर हावी होने देता है, तो उसका व्यवहार भी बदलने लगता है। वह छोटी-छोटी बातों पर परेशान होने लगता है और कई बार अपने रिश्तों में भी तनाव पैदा कर लेता है।

नकारात्मक सोच का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि व्यक्ति अपनी खुशियों को नजरअंदाज करने लगता है।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

मृत्यु की सच्चाई का एहसास कराता है जीवन का असली महत्व, हर पल को बनाएं अनमोल

भरत चतुर्वेदी

इंसान अक्सर अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में इतना व्यस्त रहता है कि उसे जीवन की सबसे बड़ी सच्चाई के बारे में सोचने का समय ही नहीं मिलता। हम भविष्य की योजनाएं बनाने, धन-संपत्ति जुटाने, सफलता हासिल करने और समाज में अपनी पहचान स्थापित करने में लगे रहते हैं। कई बार ऐसा लगता है कि हमारे पास बहुत समय है और हम अपनी इच्छाओं को कभी भी पूरा कर सकते हैं। लेकिन जीवन की वास्तविकता इससे अलग है। जीवन अनिश्चित है और समय किसी के लिए नहीं रुकता। इसलिए मृत्यु की सच्चाई को समझना जरूरी है, क्योंकि यही एहसास हमें जीवन का सही मूल्य पहचानने की प्रेरणा देता है।

मृत्यु के बारे में जागरूक रहने का अर्थ निराशावादी होना नहीं है, बल्कि यह समझना है कि जीवन का प्रत्येक दिन महत्वपूर्ण है। जब इंसान यह स्वीकार कर लेता है कि उसका समय सीमित है, तो वह छोटी-छोटी बातों में उलझने के बजाय उन चीजों पर ध्यान देना शुरू करता है, जो वास्तव में उसके लिए मायने रखती हैं। अपने सपनों को पूरा करना, परिवार को समय देना, अच्छे रिश्ते बनाना और समाज के लिए कुछ बेहतर करना उसके जीवन की प्राथमिकता बन सकता है।

आज के दौर में अधिकतर लोग अपनी पहचान और प्रतिष्ठा को लेकर चिंतित रहते हैं। कोई धन के बल पर खुद को दूसरों से श्रेष्ठ समझता है, तो कोई अपने पद, शक्ति और उपलब्धियों के कारण दूसरों से अलग दिखाई देना चाहता है। इस प्रतिस्पर्धा में कई बार इंसान मानवीय मूल्यों और रिश्तों को भी पीछे छोड़ देता है।

लेकिन जीवन का अंतिम सत्य हमें याद दिलाता है कि दुनिया में कोई भी व्यक्ति हमेशा के लिए नहीं आया है। धन, संपत्ति, पद, प्रसिद्धि और सामाजिक प्रतिष्ठा जीवन के साथ ही समाप्त हो जाते हैं। अंततः हर इंसान की पहचान उसके मानवीय व्यवहार, विचारों और कर्मों से होती है।

मृत्यु की वास्तविकता को समझने वाला व्यक्ति दूसरों के प्रति अधिक विनम्र और संवेदनशील बन सकता है। वह जाति, धर्म, वर्ग और आर्थिक स्थिति के आधार पर किसी को छोटा-बड़ा समझने के बजाय सभी के साथ समानता और सम्मान का व्यवहार करना सीखता है। यही सोच समाज में प्रेम, सहयोग और भाईचारे की भावना को मजबूत करती है। रूसी साहित्यकार फ्योदोर दोस्तोयेव्स्की ने मनुष्य के जीवन, उसके अनुभवों और आत्मचिंतन को बहुत गहराई से समझाया है।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

स्वस्थ जीवनशैली और प्रकृति के साथ सामंजस्य का संदेशः राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा दिवस

सुनील कुमार वाजपेयी शिवम

प्रकृति मनुष्य की सबसे बड़ी चिकित्सक और स्वास्थ्य की आधारशिला है। स्वच्छ हवा, शुद्ध जल, संतुलित आहार, पर्याप्त धूप, नियमित व्यायाम और सकारात्मक विचार स्वस्थ जीवन के ऐसे आधार हैं, जिनके सहारे मनुष्य अनेक बीमारियों से बच सकता है। आधुनिक जीवनशैली में बढ़ते तनाव, अनियमित खानपान, शारीरिक निष्क्रियता और प्रदूषण के बीच प्राकृतिक चिकित्सा का महत्व लगातार बढ़ रहा है।

इसी महत्व को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 18 नवंबर को राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा दिवस मनाया जाता है। भारत में प्राकृतिक चिकित्सा को प्रोत्साहन देने और इसके प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के लिए वर्ष 2018 में पहली बार 18 नवंबर को राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा दिवस मनाया गया। यह तिथि महात्मा गांधी द्वारा प्राकृतिक चिकित्सा के प्रचार-प्रसार और पुणे के निकट उरली कांचन में प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र की स्थापना से जुड़ी है। महात्मा गांधी प्राकृतिक जीवनशैली, संयमित भोजन और प्रकृति के माध्यम से स्वास्थ्य संरक्षण के समर्थक थे।

उनका मानना था कि मनुष्य को अपने स्वास्थ्य के प्रति स्वयं जागरूक और जिम्मेदार होना चाहिए। इस दिवस का प्रमुख उद्देश्य प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के प्रति जागरूकता बढ़ाना, स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना तथा लोगों को स्वास्थ्य संरक्षण के प्राकृतिक उपायों से परिचित कराना है। समझिए कि क्या है प्राकृतिक चिकित्सा? प्राकृतिक चिकित्सा ऐसी स्वास्थ्य पद्धति है, जिसमें प्रकृति के उपलब्ध साधनों और शरीर की स्वाभाविक कार्यप्रणाली के महत्व को समझते हुए स्वास्थ्य संरक्षण पर बल दिया जाता है। इसमें शरीर, मन और जीवनशैली के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास किया जाता है।

इसका मूल विचार है कि स्वस्थ रहने के लिए केवल बीमारी का उपचार ही पर्याप्त नहीं, बल्कि बीमारी से बचाव और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी आवश्यक है। प्राकृतिक चिकित्सा में मिट्टी चिकित्सा, जल चिकित्सा, सूर्य चिकित्सा, वायु चिकित्सा, उपवास, योग, प्राणायाम, मालिश और संतुलित आहार जैसे उपायों का उपयोग किया जाता है। हालांकि इन उपायों का प्रयोग व्यक्ति की शारीरिक स्थिति और विशेषज्ञ की सलाह के अनुसार ही किया जाना चाहिए।

प्राकृतिक चिकित्सा में मिट्टी को शरीर के लिए उपयोगी प्राकृतिक साधन माना जाता है। मिट्टी की पट्टी और मिट्टी स्नान जैसी प्रक्रियाओं का प्रयोग कुछ प्राकृतिक चिकित्सा केंद्रों में किया जाता है। जल चिकित्सा में स्नान, जल पट्टी और अन्य प्रक्रियाओं के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी देखभाल की जाती है। सूर्य का प्रकाश शरीर को विटामिन डी उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वहीं स्वच्छ वायु और नियमित श्वास अभ्यास शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हैं। संतुलित भोजन में मौसमी फल, हरी सब्जियां, साबुत अनाज, दालें और पर्याप्त पानी को विशेष महत्व दिया जाता है।

योग और प्राणायाम भी प्राकृतिक जीवनशैली के महत्वपूर्ण अंग हैं। नियमित योगाभ्यास शरीर को सक्रिय रखने, लचीलापन बढ़ाने और तनाव कम करने में सहायक हो सकता है। आज मनुष्य सुविधाओं के बीच रहते हुए भी अनेक जीवनशैली संबंधी समस्याओं से जूझ रहा है। मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा, अनिद्रा, तनाव और पाचन संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। इसका एक बड़ा कारण अनियमित दिनचर्या, जंक फूड, शारीरिक श्रम की कमी और मानसिक दबाव है। ऐसे समय में प्राकृतिक चिकित्सा का महत्व इसलिए बढ़ जाता है, क्योंकि यह व्यक्ति को अपनी जीवनशैली सुधारने और स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदार बनने की प्रेरणा देती है।

नियमित दिनचर्या, पौष्टिक भोजन, पर्याप्त नींद, शारीरिक गतिविधि और मानसिक शांति स्वस्थ जीवन के महत्वपूर्ण आधार हैं। हालांकि यह समझना आवश्यक है कि प्राकृतिक चिकित्सा के सभी उपाय प्रत्येक बीमारी का प्रमाणित उपचार नहीं हैं। गंभीर बीमारियों में चिकित्सक की सलाह, आवश्यक जांच और निर्धारित दवाओं को छोड़ना उचित नहीं है। प्राकृतिक उपायों को आवश्यकतानुसार सहायक रूप में अपनाना चाहिए। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति जागरूकता ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के लिए उपयोगी हो सकती है।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

राशिफल

मेषः काम में सफलता मिल सकती है। गुस्से पर नियंत्रण रखें।

वृषभः धन के मामले में सावधानी रखें। परिवार का सहयोग मिलेगा।

मिथुनः नए अवसर मिल सकते हैं। दोस्तों से अच्छी खबर मिलेगी।

कर्कः मन प्रसन्न रहेगा। रुके हुए काम आगे बढ़ सकते हैं।

सिंहः आत्मविश्वास बढ़ेगा। करियर में अच्छे संकेत हैं।

कन्याः मेहनत का फल मिल सकता है। सेहत का ध्यान रखें।

तुलाः रिश्तों में मधुरता आएगी। कोई अच्छी खबर मिल सकती है।

वृश्चिकः धैर्य से काम लें। जल्दबाजी में निर्णय न करें।

धनुः भाग्य का साथ मिल सकता है। यात्रा के योग बन सकते हैं।

मकरः कार्यक्षेत्र में प्रशंसा मिल सकती है।

कुंभः नए विचार लाभदायक रहेंगे। मित्रों से सहयोग मिलेगा।

मीनः मन शांत रहेगा। परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा।

सर्वाधिकार स्वामी एस.एम.के प्रकाशन प्रा. लि. शिवाजी नगर भोपतपट्टी नवीन मण्डी रोड फर्रुखाबाद-209602 के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक- शरद कटियार द्वारा एस.एम.के प्रकाशन प्रा. लि. शिवाजी नगर भोपतपट्टी नवीन मण्डी रोड फर्रुखाबाद 209602 उ.प्र. से मुद्रित एवं शिवाजी नगर भोपतपट्टी नवीन मण्डी रोड फर्रुखाबाद-209602 उ.प्र. से प्रकाशित। सम्पादक- शरद कटियार दूरभाष - 09452411978 05224613888 Email-youthindiaheadoffice@gmail.com आर.एन.आई. न. UPHIN/2005/17816
समस्त समाचारों का चयन एवं सम्पादन हेतु T-R-V Act के अन्तर्गत उत्तरदायी समस्त विवाद फर्रुखाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

प्रयागराज : पॉक्सो मामले के आरोपित की जमानत मंजूर

प्रयागराज।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने सोमवार को पॉक्सो अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की धारा 65(1) के तहत दर्ज मामले में आरोपित विवेक सिंह उर्फ विकास सिंह की जमानत अर्जी स्वीकार कर ली। न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार सिन्हा की एकल पीठ ने मुकदमे के लंबित रहने तक उसे रिहा करने का आदेश दिया। मामला थाना मऊआइमा, प्रयागराज में दर्ज केस से जुड़ा है।

आरोपित के अधिवक्ता ने दलील दी कि उसे झूठा फंसाया गया है और उसके खिलाफ कोई ठोस सामग्री नहीं है। उन्होंने कहा कि एफआईआर छह माह की देरी से दर्ज हुई। गर्भावस्था की अवधि 31 सप्ताह 3 दिन है, जबकि अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट के दिन घटना की तिथि के हिसाब से अवधि 28 सप्ताह 2 दिन बैठती है, यानी दोनों मेल नहीं खाते हैं। अधिवक्ता के अनुसार पीड़िता की उम्र अस्थि परीक्षण में 16-17 वर्ष आई, जबकि कक्षा आठ के स्कूल रिकॉर्ड में 13 वर्ष 8 माह दर्ज है। उन्होंने रेडियोलॉजिकल आयु को मान्य करने की मांग की। साथ ही कहा कि मेडिको-लीगल रिपोर्ट भी दुष्कर्म के आरोप का समर्थन नहीं करती। आरोपित का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है और वह 17 जून 2026 से जेल में बंद है।

सरकार की ओर से अपर शासकीय अधिवक्ता उमा शंकर मिश्र ने जमानत का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि पीड़िता ने बीएनएसएस की धारा 180 और 183 के तहत दर्ज बयान में आरोपित पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। कोर्ट ने मामले के तथ्यों, अपराध की प्रकृति, साक्ष्य, जेलों में भीड़ और निचली अदालतों में आपराधिक मामलों की भारी पेंडेंसी को ध्यान में रखा। मामले के गुण-दोष पर कोई टिप्पणी किए बिना कोर्ट ने आरोपित को जमानत का हकदार माना।

आरोपित को एक निजी मुचलका और दो जमानतदार देने होंगे। वह गवाहों को न धमकाएगा, न प्रलोभन देगा और न साक्ष्यों से छेड़छाड़ करेगा। उसे बिना स्थगन मांगे सुनवाई में सहयोग करना होगा और कोई अपराध नहीं करना होगा। शर्तों के उल्लंघन पर जमानत रद्द हो सकती है। कोर्ट ने आरोपित और जमानतदारों के पहचान, निवास, मोबाइल और आधार के सत्यापन का भी निर्देश दिया। रिहाई आदेश बेल ऑर्डर मैनेजमेंट सिस्टम (बीओएमएस) से जेल भेजा जाएगा।

गोशालाएं अब अपनी ग्राम पंचायत के किसानों से सीधे खरीद सकेंगी चारा

लखनऊ।

योगी सरकार निराश्रित गोवंश के संरक्षण को किसानों की आय, जैविक खेती और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जोड़ने के लिए ह्यचारा के बदले खादह्ल का अभिनव मॉडल शुरू करने की तैयारी कर रही है। इसके तहत गोशालाएं भूसा-चारा सप्लायर के बजाय अपनी ग्राम पंचायत के किसानों से सीधे चारा खरीद सकेंगी। किसानों और गोआश्रय स्थलों के बीच सीधा वार्षिक अनुबंध होगा, जिसके तहत हरे-सूखे चारे और भूसे के बदले किसानों को जैविक खाद और गोबर व गोमूत्र उपलब्ध कराये जाएंगे। चारे के रूप में उपयोग योग्य फसल अवशेषों और पराली का गोशालाओं में इस्तेमाल होने से इन्हें जलाने की जरूरत नहीं रहेगी और प्रदूषण कम करने में मदद मिलेगी। सीएम योगी के विजन के अनुरूप इस पहल से गोआश्रय स्थलों में वर्ष भर चारे की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित होने के साथ स्थानीय किसानों को आर्थिक लाभ मिलेगा और गोसंरक्षण की व्यवस्था आत्मनिर्भर एवं टिकाऊ बनेगी।

गो संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ने की पहल

योगी सरकार का प्रयास है कि गोवंश संरक्षण की व्यवस्था को दीर्घकालिक और आर्थिक रूप से टिकाऊ बनाया जाए।

निषाद पार्टी 2017 में एक और 2022 में 11 कार्यकर्ताओं को विधायक बनाकर आलोचकों को दिया जवाब : डॉ संजय निषाद

प्रयागराज की करछना, हंडिया और बारा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी

प्रयागराज

निषाद पार्टी ने वर्ष 2017 में एक विधायक और 2022 में 11 कार्यकर्ताओं को विधायक बनाकर अपने आलोचकों को जवाब दिया। अब पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में प्रयागराज की करछना, हंडिया और बारा सहित पूरे मंडल की पांच सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। कार्यकर्ता पुराने साथियों को जोड़कर संगठन को मजबूत करें और चुनाव की तैयारियों में जुट जाएं। यह बातें निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने सोमवार को जिला पंचायत सभागार में आयोजित नवनियुक्त मंडलीय एवं जनपदीय कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में कहीं।

डॉ. संजय निषाद ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद एवं संगठन के प्रति निष्ठा की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि निषाद पार्टी अपने 11वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। जब 11 वर्ष पहले पार्टी का गठन



किया गया था, तब लोग निषाद समाज की अपनी पार्टी बनने पर हंसते थे। हमने उन्हें संघर्ष और टकराव से नहीं, बल्कि चुनाव में अपनी ताकत दिखाकर जवाब दिया। वर्ष 2017 में एक विधायक और 2022 मे 11 कार्यकर्ता विधायक निर्वाचित हुए। इनमें छह पार्टी के सिंबल पर चुनाव जीते और बाकी गठबंधन की पार्टियों से।

उन्होंने कहा कि पहले जब वह प्रयागराज आते थे और निषाद समाज के इतिहास, पूर्वजों की जमीन तथा महाराज गुह्यराज निषाद के गौरव को स्थापित करने की बात करते थे, तब लोग इसे गंभीरता से नहीं लेते थे। आज केंद्र और प्रदेश सरकार ने श्रृंगवेरपुर धाम को नई पहचान दी है। यहां भगवान श्रीराम और महाराज गुह्यराज निषाद की गले मिलते हुए भव्य प्रतिमा, पार्क और संग्रहालय का निर्माण कराया गया है। अयोध्या में भी राम मंदिर के साथ अतिथि गृह का नाम महाराज गुह्यराज निषाद के नाम पर रखा गया है।

मंत्री ने कहा कि यह सम्मान निषाद समाज और पार्टी के कार्यकर्ताओं के संघर्ष एवं समर्पण का परिणाम है। पार्टी समाज की खोई हुई पहचान, गौरव और सम्मान को फिर से स्थापित करने के लिए प्रयास करती रहेगी।

आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 में प्रयागराज की दो सीटों पर पार्टी ने चुनाव लड़ा था। इस बार करछना, हंडिया और बारा विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी है। इसके साथ ही पूरे मंडल की पांच सीटों पर संगठन अपनी तैयारी कर रहा है। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष के जनसंपर्क अधिकारी राजीव यादव बताया कि नवनियुक्त पदाधिकारियों से पुराने कार्यकर्ताओं को साथ लेकर संगठन में नई ऊर्जा और उत्साह के साथ काम करने का आह्वान किया। कहा कि आपसी समन्वय और एकजुटता के साथ पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाएं। संगठन की मजबूती ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद सपरिवार वृंदावन पहुंचे



मथुरा।

देश के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद सोमवार को अपने दो दिवसीय धार्मिक एवं निजी प्रवास पर सपरिवार वृंदावन पहुंचे। उनके साथ उनकी पत्नी सविता कोविंद, पुत्री स्वाति कोविंद और प्रशासनिक अधिकारियों का एक दल भी मौजूद है।

पूर्व राष्ट्रपति के आगमन को लेकर स्थानीय पुलिस और प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है।

रुकमणि विहार स्थित जिस होटल में पूर्व राष्ट्रपति और उनका परिवार ठहरा है, सुरक्षा की दृष्टि से उस मार्ग पर आम वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद कर दी गई है। चप्पे-चप्पे पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

पूर्व राष्ट्रपति वर्तमान में रुकमणि विहार स्थित एक निजी होटल में ठहरे हैं। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, पूर्व राष्ट्रपति को रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम अस्पताल जाकर वहां साधु-संतों से भेंट करनी थी। हालांकि, रामकृष्ण मिशन मठ एवं मिशन के उपाध्यक्ष स्वामी भजनानंद महाराज के निधन के कारण उनका यह कार्यक्रम ऐन वक्त पर रद्द कर दिया गया।

उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर सेपा नेता प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने भाजपा सरकार पर हमला बोला

फिरोजाबाद

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने सोमवार को फिरोजाबाद में उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस सरकार में लोगों के पैरों में गोली मारी जा रही है और घर गिराए जा रहे है। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।

प्रो. रामगोपाल यादव सोमवार को फिरोजाबाद के पालीवाल ऑडिटोरियम में आयोजित झलकारी बाई महाकुंभ में पहुंचे थे। इस दौरान वह मीडिया से भी रूबरू हुए। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 2017 से पहले प्रदेश में उपद्रव और अब उत्सव का माहौल होने वाले बयान पर कहा कि उत्सव का माहौल इसलिए है, क्योंकि लगातार लोगों के पैरों में गोलियां मारी जा रही हैं। लोगों के घर गिराए जा रहे हैं और संपत्ति लूटी जा रही है। बड़े-बड़े दबंग लोगों की जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में पहले ऐसा कभी नहीं हुआ था।

प्रो. यादव ने असदुद्दीन ओवैसी के मूंछ वाले और दाढ़ी वाले के गठबंधन को लेकर दिए गए बयान पर कहा कि जरूरी नहीं है कि वह ओवैसी की हर बात का जवाब दें। कांग्रेस के साथ गठबंधन और सीटों के बंटवारे को लेकर उन्होंने कहा कि अभी कोई फैसला नहीं हुआ है।पार्टी के दोनों हाईकमान के बीच बातचीत चल रही है।

सपा नेता आजम खान से ईडी द्वारा की गई पूछताछ पर उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ईडी वही पूछेगी, जो उसके आका कहेंगे।

1.5 लाख के ऋण से शुरू किया कारोबार, आज सात मशीनों से दोना-पत्तल बना रही दुखना और समूह की महिलाएं

अयोध्या के पूराबाजार की दुखना तपस्या स्वयं सहायता समूह ने स्वरोजगार से बदली आर्थिक स्थिति

हर महीने 25 से 30 हजार रुपये तक की बचत, सामूहिक मेहनत से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहीं महिलाएं



अयोध्या।

आत्मनिर्भर बनने का संकल्प हो और साथ मिलकर आगे बढ़ने का हौसला, तो छोटे स्तर से शुरू किया गया काम भी सफलता की राह खोल सकता है। अयोध्या के पूराबाजार स्थित नारियांवा ग्राम पंचायत की दुखना तपस्या स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने इसे सच कर दिखाया है। कभी सीमित संसाधनों के साथ शुरू हुआ दोना-पत्तल निर्माण का काम आज उनके नियमित रोजगार का जरिया बन चुका है। समूह ने शुरूआत में 1.5 लाख रुपये का ऋण लेकर पहली मशीन खरीदी और धीरे-धीरे अपने कारोबार का विस्तार किया। आज समूह के पास सात मशीनें हैं और सभी महिलाएं मिलकर उत्पादन कर रही हैं। इस काम से समूह हर महीने 25 से 30 हजार रुपये तक की बचत कर रहा है।

वीरांगना ऊदा देवी के शौर्य से प्रेरित महिला शक्ति की यह कहानी ग्रामीण महिलाओं के श्रम, एकजुटता और आत्मनिर्भर बनने के संकल्प को दशार्ती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में स्वयं सहायता समूहों को मिल रहे सहयोग के बीच दुखना तपस्या समूह ने स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार का रास्ता तैयार किया है।

1.5 लाख रुपये के ऋण से शुरू हुआ दोना-पत्तल निर्माण का काम

दुखना तपस्या स्वयं सहायता समूह ने दोना-पत्तल निर्माण के जरिए स्वरोजगार की शुरूआत की। शुरूआती दौर में समूह ने 1.5 लाख रुपये का ऋण लेकर पहली मशीन खरीदी और उत्पादन शुरू किया। काम आगे बढ़ा तो समूह ने कारोबार का विस्तार करने की दिशा में कदम बढ़ाए। सीसीएल (कैश क्रेडिट लिमिट) के तहत तीन लाख रुपये का अतिरिक्त ऋण मिलने से उत्पादन क्षमता बढ़ाने में मदद मिली।

सुल्तानपुर में युवक की चाकू मारकर हत्या

सुलतानपुर।

उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर मे अखंडनगर थाना क्षेत्र में सोमवार शाम चाकू से हमला कर दिलीप कुमार चौहान (30) की हत्या कर दी गई। उनका साथी अनिल कुमार सिंह उर्फ सोनू (32) गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों पतजू पहाड़पुर गांव के पास खेत देखने और शौच के लिए गए थे।

दिलीप अपने छोटे भाई के बरीक्षा कार्यक्रम में शामिल होने के लिए तीन दिन पहले पुणे से गांव आए थे। हमला सैदपुर पुल के पास, सुल्तानपुर सीमा पर पतजू पहाड़पुर और सैधैली गांव के नजदीक हुआ।

अनिल सिंह के मुताबिक, वहां पहले से कुछ युवक मौजूद थे। अनिल के मुताबिक, हमलावरों ने शराब की बोतल फोड़कर हमला किया। दोनों बोतल के वार से बचने की कोशिश कर रहे थे, तभी हमलावरों ने चाकू से वार शुरू कर दिए। दोनों अलग-अलग दिशाओं में भागे और बचने के



लिए संघर्ष किया।

चाकू के वार से दिलीप वहीं गिर पड़े और उनकी मौत हो गई। अनिल भी गंभीर रूप से घायल हुए। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे, तो हमलावर भाग गए।

अनिल को सीएचसी अखंडनगर ले जाया गया। डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल भेज दिया। दिलीप जौनपुर जिले के सरपतहा थाना क्षेत्र के बांधगांव निवासी नरेंद्र बहादुर चौहान के बेटे थे।

मृतक दिलीप पुणे में टाइल्स लगाने का काम करते थे। उनके छोटे भाई विशाल (27) का 14 नवंबर को बरीक्षा कार्यक्रम था, जिसमें शामिल होने के लिए वे 13 नवंबर को ही पुणे से गांव आए थे।

साल 2023 में ही दिलीप की शादी हुई थी। उनके परिवार में पत्नी अनीता, ढाई साल की मासूम बेटी रितिका और दो छोटे भाई विशाल व विकास हैं। भाई की शादी की तैयारियों के बीच हुई इस हत्या से पूरे गांव में मातम पसरा है।

बारातियो से भरी कार पिकअप से टकराई,सैनिक की मौत,आठ बाराती घायल

फरुर्खाबाद।

उत्तर प्रदेश के फरुर्खाबाद में इटावा बरेली हाईवे पर राजेपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव महमदपुर गढ़िया के पास एक्सयूवी कार और पिकअप में आमने-सामने टक्कर हो गई। इसमें दूल्हा के भाई सहित 9 लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस अपनी गाड़ी और एंबुलेंस की मदद से सभी को लोहिया अस्पताल की इमरजेंसी लेकर आई। यहां कार में सवार बाराती एक सैनिक को चिकित्सक ने मृत बता दिया। जबकि अन्य आठ घायलों का उपचार जारी है। कमालगंज थाना क्षेत्र के गांव



देवरान गढ़िया से सोमवार देर रात गांव निवासी प्रदीप पाल की बारात हरदोई जनपद के हसनापुर जा रही थी। बारात की एक कार में दूल्हे का फौजी भाई रितिक सहित अन्य आठ लोग सवार थे। यह लोग राजेपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत महमदपुर गढ़िया के पास पहुंचे ही थे कि सामने से आ रही एक तेज रफ्तार पिकअप से आमने-सामने टक्कर हो गई।

टक्कर होते ही वहां चीख पुकार मच गई। पास पड़ोस के लोग मौके पर पहुंचे उन्होंने थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इस दौरान पुलिस अपनी दो गाड़ियों और एंबुलेंस की मदद से कुछ घायलों को राजेपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई। जबकि कुछ घायलों को लोहिया अस्पताल की इमरजेंसी लाया गया। हालांकि बाद में सभी घायल लोहिया अस्पताल की इमरजेंसी आ गए। यहां चिकित्सक ने कार सवार विश्वनाथ को मृत बता दिया।

प्रयागराज में 70 किलोमीटर लंबा होगा मेट्रो नेटवर्क, दो कॉरिडोर का तैयार हुआ डीपीआर

एयरपोर्ट से झूंसी और फाफामऊ-शांतिपुरम से छिवकी तक दौड़ेगी मेट्रो

प्रयागराज।

विश्व प्रसिद्ध संगम नगरी में आधुनिक सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था विकसित करने की दिशा में प्रयागराज मेट्रो परियोजना की तैयारियां तेज हो गई हैं। शहर में लगभग 70 किलोमीटर लंबे मेट्रो नेटवर्क के लिए दो कॉरिडोर का विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार कर लिया गया है। इसे उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन को भेजा गया है।

मंगलवार को प्रयागराज मंडलायुक्त डॉ. लोकेश एम. के समक्ष इस महत्वाकांक्षी परियोजना का प्रस्तुतीकरण किया जाएगा। परियोजना के धरातल पर उतरने से शहर के प्रमुख क्षेत्रों के बीच आवागमन सुगम होगा और सार्वजनिक परिवहन को नई दिशा मिलेगी।

प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) के उपाध्यक्ष ऋषिराज ने बताया कि मेट्रो के दो कॉरिडोर प्रस्तावित किए गए हैं। पहला कॉरिडोर एयरपोर्ट से झूंसी तक और दूसरा फाफामऊ-शांतिपुरम से छिवकी रेलवे स्टेशन तक होगा। दोनों कॉरिडोर को जोड़ने के लिए परेड मैदान में इंटरचेंज स्टेशन बनाने की योजना है। इससे यात्रियों को एक कॉरिडोर से दूसरे कॉरिडोर में आसानी से आवागमन की सुविधा मिलेगी।

परियोजना के मुख्य अभियंता और सिविल इंजीनियर प्रियंका ओझा ने बताया कि शुरूआती योजना के अनुसार प्रत्येक मेट्रो ट्रेन में तीन कोच होंगे। देश के अन्य शहरों, जैसे लखनऊ में संचालित मेट्रो की तर्ज पर यहां भी तीन कोच वाली ट्रेन चलाने की योजना बनाई गई है। प्रस्तावित पहले कॉरिडोर में करीब 20 और दूसरे कॉरिडोर में लगभग 19 स्टेशन बनाए जाने की योजना है।

झूंसी के खानूपुर और छिवकी में बनेंगे मेट्रो के दो डिपो

मेट्रो ट्रेनों के संचालन के साथ उनके रखरखाव, मरम्मत९ और तकनीकी जांच के लिए झूंसी और छिवकी में दो बड़े डिपो बनाए जाएंगे।

वाराणसी: छात्रा से छेड़खानी के आरोपित ऑटो चालक ने पुलिस पर की फायरिंग, जवाबी कार्रवाई में पैर में लगी गोली

मुर्शिदाबाद का रहने वाला है आरोपित मैनुद्दीन, अस्सी नाले के पास मेडिकल के लिए ले जाते समय पुलिस की पिस्टल छीनकर भागने की कोशिश की

वाराणसी।

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ की छात्रा से छेड़खानी के आरोपित ऑटो चालक को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। सोमवार देर रात रविंद्रपुरी स्थित अस्सी नाले के पास हुई मुठभेड़ में पुलिस की जवाबी कार्रवाई के दौरान आरोपित के पैर में गोली लगी। घायल आरोपित को उपचार के लिए बीएचयू ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। उसकी पहचान पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद निवासी मैनुद्दीन के रूप में हुई है।



जानकारी के अनुसार, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ की एक छात्रा सोमवार शाम करीब 7:30 बजे बीएचयू के विधि संकाय के पास से गुजर रही थी। इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक ऑटो चालक ने कथित तौर पर वाहन की रफ्तार धीमी कर छात्रा के साथ छेड़खानी की। विरोध करने पर आरोपित मौके से भागने लगा। छात्रा ने शोर मचाकर उसका विरोध किया और पुलिस से शिकायत की।

छात्रा की शिकायत पर पुलिस ने ऑटो चालक मैनुद्दीन को पकड़ लिया। एसीपी भेलूपुर गौरव कुमार के मुताबिक, पूछताछ के दौरान आरोपित ने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

पुलिस ने उसके खिलाफ छेड़खानी की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। इसके बाद देर शाम पुलिस टीम उसे मेडिकल परीक्षण के लिए लेकर जा रही थी। इसी दौरान रविंद्रपुरी स्थित अस्सी नाले के पास आरोपित ने कथित तौर पर एक पुलिसकर्मी की पिस्टल छीन ली और वाहन से उतरकर भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने पीछा किया तो उसने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली उसके पैर में लगी, जिससे वह घायल होकर गिर पड़ा। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

मुठभेड़ की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए। घायल आरोपित को तत्काल बीएचयू ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है।

वाराणसी: होटल में ठहरे युवक ने साली की हत्या कर लगाई फांसी,पुलिस छानबीन में जुटी

वाराणसी।

उत्तर प्रदेश में वाराणसी जनपद के बड़ागांव थाना क्षेत्र अंतर्गत बाबतपुर एयरपोर्ट के पास स्थित एक होटल में सोमवार देर शाम एक सनसनीखेज वारदात सामने आई। खुद को पति-पत्नी बताकर होटल में ठहरे एक युवक ने अपनी प्रेमिका जो रिश्ते में उसकी साली लगती थी की गला रेतकर हत्या कर दी और इसके बाद खुद फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही मृतकों के परिजनों में हड़कंप मच गया।

मिली जानकारी के अनुसार, मंडुवाडीह थाना क्षेत्र के भिखारीपुर (डीएलडब्ल्यू) निवासी जय विकास (20) पुत्र राज प्रकाश केसरी और बड़ागांव थाना क्षेत्र के

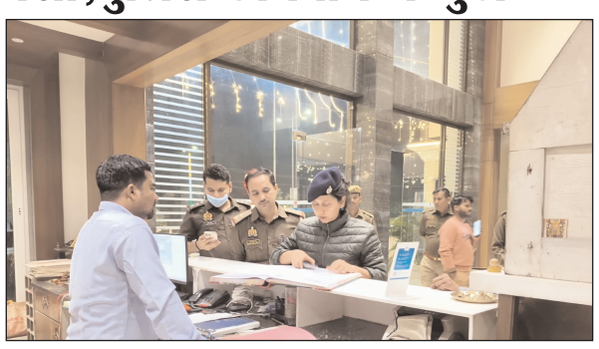

बसनी निवासी प्रिया केसरी (23) पुत्री नंदलाल केसरी ने सोमवार दोपहर बाबतपुर स्थित 'केजे इंटरनेशनल होटल' में कमरा बुक किया था। दोनों ने होटल स्टाफ को खुद को पति-पत्नी बताया था। रात करीब 10 बजे जब होटल का स्टाफ डिनर का ऑर्डर लेने कमरे के पास पहुंचा, तो अंदर से कोई जवाब नहीं मिला।

स्टाफ ने इसकी सूचना मैनेजर को दी। काफी देर तक दरवाजा खटखटाने और आवाज देने के बाद भी जब गेट नहीं खुला, तो होटल प्रबंधन ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी।

अखिलेश यादव और राहुल की दिल्ली में होने वाली बड़ी बैठक टली

अचानक बैठक रद्द होने से यूपी की राजनीति में हलचल, नए समीकरणों की शुरू हुई चर्चा

लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे पर होने वाली अहम बैठक अचानक टल गई है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और राहुल गांधी के बीच मंगलवार को दिल्ली में मुलाकात होनी थी। इसमें गठबंधन के तहत सीटों के तालमेल पर चर्चा की जानी थी, लेकिन अब बैठक को तीन से चार दिन के लिए आगे बढ़ा दिया गया है। अखिलेश सोमवार को ही दिल्ली पहुंच गए थे। बैठक टलने के पीछे सीटों को लेकर दोनों दलों के बीच चल रही रणनीतिक तैयारी को अहम वजह माना जा रहा है। कांग्रेस ने सोमवार को दिल्ली में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर हुई बैठक के बाद यूपी की 181 विधानसभा सीटों पर अपना दावा पेश किया था।



कांग्रेस ने चुनावी तैयारियों को भी दी रफ्तार

दूसरी तरफ कांग्रेस ने यूपी में चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। सोमवार को नई दिल्ली स्थित पार्टी कार्यालय में प्रदेश की सियासी रणनीति को लेकर बैठक हुई। इसमें राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, प्रियंका गांधी, यूपी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना, कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद और कांग्रेस विधानमंडल दल के नेता वीरेंद्र चौधरी शामिल हुए।

बैठक में अब तक की चुनावी तैयारियों, चुनाव संचालन और प्रदेश कार्यकारिणी के गठन पर चर्चा हुई। तय किया गया कि नवंबर के अंत तक सभी कमेटियों की घोषणा कर दी जाए, ताकि दिसंबर के पहले सप्ताह से प्रदेश में चुनावी सभाएं शुरू की जा सकें। इन सभाओं में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी हिस्सा लेंगी। प्रदेश संगठन को तैयारियां शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं।

कांग्रेस की ओर से सपा को भेजी गई सूची

कांग्रेस की ओर से भेजी गई सूची - कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी से उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए 181 सीटों की मांग की है। इनमें बेहट, नकुड़, सहारनपुर नगर, सहारनपुर देहात, रामपुर मनिहारान, थाना भवन, बुढ़ाना, पुरकाजी, मीरापुर, बढ़ापुर, धामपुर, नहटौर, मुरादाबाद नगर, कुंदरकी, चंदौसी, स्वार, धनौरा, नौगवां सादात, हसनपुर, सिवालखास, हस्तिनापुर, मेरठ दक्षिण, बागपत, लोनी, धौलाना, हापुड़, गढ़मुक्तेश्वर, बुलंदशहर, शिकारपुर, कोल, मांट, मथुरा, आगरा ग्रामीण, फतेहपुर सीकरी, खेरागढ़, बदायूं, नवाबगंज, फरीदपुर, पीलीभीत, पूरनपुर, तिलहर, शाहजहांपुर, गोला गोकर्णनाथ, सीतापुर, लहरपुर, बिसवां, सेवता, महमूदाबाद, सिधौली, शाहाबाद, बिलग्राम, मोहनलालगंज, बछरावां, तिलोई, हरचंदपुर, रायबरेली, सलोन, सरेनी, ऊंचाहार, जगदीशपुर, गौरीगंज, अमेठी, सदर, फरुर्खाबाद, गोविंदनगर, कानपुर कैंट, कालपी, झांसी नगर, मऊरानीपुर, मेहरौनी, मानिकपुर, बिंदकी, रामपुर खास, विश्वनाथगंज, प्रतापगढ़ सदर, करछना, इलाहाबाद उत्तर, इलाहाबाद दक्षिण, बारा, कोरांव, कुर्सी, जैदपुर, हैदरगढ़, बीकापुर, कटेहरी, बलहा, नानपारा, महसी, बलरामपुर, शोहरतगढ़, महादेवा, खलीलाबाद, फरेंदा, महराजगंज, पनियरा, गोरखपुर ग्रामीण, बांसगांव, चिल्लूपार, फाजिलनगर, रुद्रपुर, देवरिया, निजामाबाद, मधुबन, बेल्थरा रोड, जौनपुर, जाफराबाद, जखनियां, मुगलसराय, पिंडरा, रोहनिया, वाराणसी उत्तर, वाराणसी कैंट, मझवां, मड़िहान, रॉबर्ट्सगंज, गंगोह, शामली, चरथावल, बिजनौर, मुरादाबाद ग्रामीण, बिलासपुर, मिलक, छपरौली, दादरी, जेवर, सिकंदराबाद, स्याना, अनूपशहर, खुर्जा, इगलास, बाह, टूंडला, फिरोजाबाद, दातागंज, मीरगंज, बरेली कैंट, आंवला, पलिया, मोहम्मदी, बांगरमऊ, मलिहाबाद, बख्शी का तालाब, सुल्तानपुर, लंभुआ, औरैया, अकबरपुर रनियां, बिल्हौर, बिठूर, घाटमपुर, उरई, हमीरपुर, राठ, नरैनी, जहानाबाद, अयाह शाह, हुसैनगंज, चायल, फूलपुर, दरियाबाद, उतरौला, गौरा, हरैया, नौतनवां, खड्डा, पाथरदेवा, रामपुर कारखाना, सलेमपुर, बरहज, बलिया नगर, बदलापुर, जहूराबाद, छानबे, दुद्धी, सरोजनी नगर, ज्ञानपुर, औराई, मोदीनगर, खैर, बलदेव, लखनऊ पूर्व और किदवई नगर विधानसभा सीटें शामिल हैं।

डीएनए की प्रतिलिपि बनाने से लेकर रोगों से लड़ने तक, शरीर में काम करती हैं सूक्ष्म आणविक मशीनें : प्रो. के. पी. मिश्रा

प्रयागराज।

हमारा शरीर डीएनए की प्रतिलिपि बनाने से लेकर हानिकारक जीवाणुओं और विषाणुओं से लड़ने तक का काम कोशिकाओं के भीतर मौजूद सूक्ष्म आणविक मशीनों की मदद से करता है। इन मशीनों की कार्यप्रणाली को समझकर भविष्य में रोगों की बेहतर जाँच, उपचार और नई चिकित्सा तकनीकों का विकास किया जा सकता है।

यह बातें भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बार्क), मुंबई के रेडिएशन बायोलॉजी एंड हेल्थ साइंसेज डिवीजन के पूर्व प्रमुख प्रो. के. पी. मिश्रा ने सोमवार को इलाहाबाद विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय रिफ्रेशर कोर्स के समापन अवसर पर कहीं। विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग एवं यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र की ओर से आयोजित 12 दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स 'केमिस्ट्री फॉर लाइफ एंड सस्टेनेबल एम्पावरमेंट' के अंतिम दिन वैज्ञानिक अनुसंधान, औषधि निर्माण और शैक्षणिक नेतृत्व पर विशेषज्ञों ने विचार रखे।

प्रो. मिश्रा ने 'फ्रॉम बायोमॉलिक्यूल्स टू असेंबली ऑफ बायोलॉजिकल मिनी मशीन्स' विषय पर व्याख्यान देते हुए जीवित कोशिका की तुलना एक सूक्ष्म कारखाने से की। उन्होंने बताया कि जिस प्रकार कारखाने में अलग-अलग मशीनें विभिन्न काम करती हैं, उसी तरह कोशिकाओं के भीतर मौजूद आणविक मशीनें जीवन के लिए जरूरी प्रक्रियाओं को संचालित करती हैं। कोशिका विभाजन से पहले डीएनए की प्रतिलिपि तैयार होती है, जिससे नई कोशिकाओं को आनुवंशिक जानकारी मिलती है। यही प्रक्रिया शरीर की वृद्धि और गुणों के पीढ़ी-दर-पीढ़ी संचरण में महत्वपूर्ण है।

उन्होंने बताया कि शरीर की कोशिकाएं विशेष रासायनिक संकेतों के माध्यम से एक-दूसरे से संवाद करती हैं।

आणविक पहचान प्रणाली और प्रतिरक्षा तंत्र स्वस्थ ऊतकों तथा हानिकारक जीवाणुओं और विषाणुओं के बीच अंतर करने में सहायता करते हैं। इन प्रक्रियाओं की समझ से भविष्य में बेहतर रोग जाँच, आणविक सेंसर और उपचार की नई विधियां विकसित हो सकती हैं। इसमें रसायन विज्ञान, भौतिकी, जीवविज्ञान और क्वांटम विज्ञान का समन्वय महत्वपूर्ण है।

प्रयोगशाला की खोज को सस्ती और जीवनरक्षक दवाओं में बदलना बड़ी चुनौती : डॉ. रथन प्रसाद अचम्पेटा

हैदराबाद स्थित साई लाइफ साइंसेज के वाइस प्रेसिडेंट (प्रोसेस आरएंडडी) डॉ. रथन प्रसाद अचम्पेटा ने कहा कि प्रयोगशाला में किसी उपयोगी रासायनिक यौगिक की खोज करना वैज्ञानिक यात्रा का पहला चरण है। असली चुनौती उसका बड़े पैमाने पर उत्पादन, गुणवत्ता और सुरक्षा बनाए रखना तथा कम लागत पर मरीजों तक पहुंचाना है।

उन्होंने 'केमिस्ट्री बियॉन्ड द क्लासरूम' विषय पर व्याख्यान देते हुए बताया कि प्रोसेस केमिस्ट्री, औद्योगिक नवाचार और पर्यावरण के अनुकूल उत्पादन तकनीकें दवा निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

10 दिसंबर तक शहीद उद्यान का कार्य पूर्ण करने का अल्टीमेटम, अधिशासी अभियंता को नोटिस

वाराणसी।

उत्तर प्रदेश में वाराणसी नगर निगम के विकास कार्यों को गति देने के लिए नवागत नगर आयुक्त शाश्वत त्रिपुरारी एक्शन में है। नगर आयुक्त ने सोमवार को सिगरा क्षेत्र स्थित सोनिया तालाब और शहीद उद्यान के सौंदर्यीकरण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। दोनों ही स्थानों पर कार्यों की धीमी गति और लापरवाही मिलने पर उन्होंने संबंधित कार्यदायी फर्मों और अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए कार्यों को पूरा करने की अंतिम समय-सीमा निर्धारित कर दी है।

निरीक्षण के दौरान सिगरा स्थित शहीद उद्यान में चल रहे सौंदर्यीकरण कार्य तय समय से काफी पीछे और बेहद धीमी गति से चलता मिला। कार्यों में प्रभावी पर्यवेक्षण के अभाव को गंभीरता से लेते हुए नगर आयुक्त ने अधिशासी अभियंता (सिविल) अगम कटियार को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि 10 दिसंबर तक कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा नहीं हुआ, तो संबंधित कार्यदायी फर्म को ब्लैकलिस्ट करने की संस्तुति सहित कड़ी कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता (सिविल) सुरेश चंद्र, कुणाल कालरा (आर्किटेक्ट) समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।



–सोनिया तालाब का निरीक्षण

वहीं, सिगरा स्थित सोनिया तालाब के निरीक्षण के दौरान सौंदर्यीकरण का कार्य पूरी तरह बंद मिला और तालाब में पानी भी भरा हुआ था। प्रगति अत्यंत धीमी मिलने पर नगर आयुक्त ने कार्यदायी फर्म की कार्यप्रणाली पर गहरा असंतोष जताया। उन्होंने निर्देश दिए कि सर्वप्रथम तालाब में शेष बचे पानी की तत्काल निकासी सुनिश्चित की जाए।

सम्राट अशोक ने बुद्ध की शिक्षाओं को विश्वभर में पहुंचाया, उनकी शासन व्यवस्था आज भी अनुकरणीय : डॉ. मानसिंह यादव

प्रयागराज।

सम्राट अशोक ने महात्मा गौतम बुद्ध की शिक्षाओं और विचारधारा को पूरे विश्व में फैलाने का ऐतिहासिक कार्य किया। उन्होंने अपने परिवार के सदस्यों को विभिन्न देशों में भेजकर बौद्ध धर्म का प्रचार-प्रसार कराया। उनकी जनकल्याणकारी शासन व्यवस्था, नीतियां और बौद्ध धर्म के प्रति समर्पण आज भी अनुकरणीय हैं।

उनकी शासन प्रणाली से अनेक देशों ने सीख ली है। यह बातें समाजवादी पार्टी के एमएलसी डॉ. मानसिंह यादव ने मेजा के गोसौरा खुर्द में कहीं।



गांव के किसान जगन्नाथ कुशवाहा की स्मृति में उनके पौत्र एवं सपा नेता बबलू कुशवाहा ने अपनी निजी भूमि पर सम्राट अशोक की पत्थर से निर्मित लाट (स्तंभ) स्थापित कराई है। डॉ. मानसिंह यादव ने इसका अनावरण किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सम्राट अशोक के प्रयासों से महात्मा बुद्ध की शिक्षाएं दुनिया के अनेक देशों तक पहुंचीं। यही वजह है कि आज भी भगवान बुद्ध को पूरे विश्व में श्रद्धा और सम्मान के साथ नमन किया जाता है। सम्राट अशोक ने अपने शासनकाल में जनकल्याण को महत्व दिया और बौद्ध धर्म के सिद्धांतों को अपनाकर मानवता, शांति और सद्भाव का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि सम्राट अशोक की नीतियां और उनके कार्य आज भी समाज तथा शासन व्यवस्था के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनकी स्मृति में लाट की स्थापना ऐतिहासिक विरासत और महापुरुषों के योगदान को सम्मान देने का सराहनीय प्रयास है।

बोर्ड की गलती से जन्मतिथि में त्रुटि सुधार में तीन साल की समय-सीमा बाधक नहीं : हाईकोर्ट

प्रयागराज।

लाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि हाईस्कूल प्रमाण पत्र में जन्मतिथि की गलती यदि बोर्ड के स्तर पर हुई हो और स्कूल रिकॉर्ड सही हो, तो सुधार के लिए तीन वर्ष की समय-सीमा लागू नहीं होगी।

न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन ने दिलीप सिंह की याचिका को स्वीकार करते हुए यह आदेश दिया।

याची की सही जन्मतिथि स्कूल रिकॉर्ड में 04 अप्रैल 2003 दर्ज थी, जबकि बोर्ड के रिकॉर्ड में 04 अप्रैल 2002 लिख दी गई। हाईस्कूल प्रमाण पत्र 29 अप्रैल 2018 को जारी हुआ था, जबकि प्रधानाचार्य ने दस्तावेज 03 जून 2024 को भेजे। इस आधार पर तीन साल की सीमा समाप्त मानी जा रही थी। राज्य के स्थायी अधिवक्ता ने भी स्वीकार किया कि गलती बोर्ड के रिकॉर्ड में है और स्कूल के दस्तावेजों पर कोई विवाद नहीं है।

कोर्ट ने कहा कि विनियम-7 केवल उत्तीर्ण प्रमाण पत्र में सुधार से संबंधित है, जबकि यहां गलती बोर्ड के रिकॉर्ड में हुई, इसलिए याची को निरंतर वाद-कारण प्राप्त है। परिसीमा का नियम मुकदमों को अंतिमता देने के लिए है, न कि त्रुटि सुधार का अधिकार छीनने के लिए। बोर्ड का कर्तव्य है कि वह सही प्रमाण पत्र जारी करे।

कोर्ट ने बोर्ड को आदेश की प्रमाणित प्रति मिलने के चार सप्ताह के भीतर संशोधित हाईस्कूल प्रमाण पत्र जारी करने का निर्देश दिया।

मानवाधिकार आयोग के विधि अधिकारी के पत्र पर उच्च न्यायालय सख्त

कहा- प्रथम दृष्टया पत्र अवैध और अधिकार क्षेत्र से बाहर

प्रयागराज।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश मानवाधिकार आयोग के विधि अधिकारी/लिंक ऑफिसर द्वारा मुरादाबाद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को भेजे गए पत्र को प्रथम दृष्टया "स्वतः अवैध, अधिकार क्षेत्र से बाहर और विधि के अधिकार के बिना" माना है। न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया और न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ला की खंडपीठ ने सोमवार को शीतल कुमार की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की।

याचिकाकर्ता का कहना है कि सभी वैधानिक उपाय अपनाए जा चुके हैं, इसके बावजूद प्रतिवादी अजय कुमार उर्फ भूरे ने आयोग में शिकायत की। इस पर 15 सितंबर 2026 को विधि अधिकारी ने एसएसपी मुरादाबाद को "अग्रिम विवेचना" का निर्देश दिया। यह मामला ठाकुरद्वारा (मुरादाबाद) की अदालत में लंबित आपराधिक वाद से जुड़ा है, जो धारा 380, 511 आईपीसी और 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत है।

आयोग के वकील ने दलील दी कि आदेश केवल "जाँच" के लिए था, पर कोर्ट ने कहा कि आदेश का शाब्दिक अर्थ इस दलील को झुठलाता है। उप सचिव के निदेशों में भी कोई प्रासंगिक कानूनी आधार नहीं मिला। कोर्ट ने विधि अधिकारी को पूरे अभिलेखों के साथ व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर बताने का आदेश दिया कि किस कानूनी अधिकार से यह पत्र जारी हुआ। मामले की अगली सुनवाई 18 नवंबर 2026 को होगी।

जमानत पर छूटे दुष्कर्म के आरोपित ने पीड़िता को धमकाया, तीन पर केस दर्ज

मुरादाबाद।

उत्तर प्रदेश के जनपद मुरादाबाद महानगर के थाना मझोला क्षेत्र में दुष्कर्म के आरोपित प्रशांत ने जमानत पर बाहर आने के बाद पीड़िता और उसकी मां को धमकाया है। आरोप है कि उसने कोर्ट में गवाही देने पर पूरे परिवार की हत्या की धमकी दी। मझोला थाना पुलिस ने सोमवार को पीड़िता किशोरी की मां की तहरीर पर आरोपित प्रशांत, उसकी बहन शीतल और बहनोई रंजीत के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की।

जनपद संभल के कुढ़फतेहगढ़ थानाक्षेत्र के फैजुल्लापुर उर्फ पीतमपुर निवासी प्रशांत ने 23 दिसंबर 2025 को महिला की 16 वर्षीय बेटी का अपहरण कर दुष्कर्म किया था। इस मामले में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद वह जेल गया था। जमानत पर बाहर आने के बाद 29 अगस्त को कोर्ट से लौटते समय उसने धमकाया। आरोपितों ने समझौते का दबाव बनाया और गवाही देने पर हत्या की धमकी दी।

बहराइच के प्रणव मिश्र ने टेनिस में लहराया परचम

बहराइच।

उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के होनहार टेनिस खिलाड़ी प्रणव मिश्र ने अपनी शानदार खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए बहराइच का नाम रोशन किया है। स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा की पुरुष टेनिस टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रणव ने नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी टेनिस प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल कर जिले को गौरवान्वित किया है। प्रणव की इस उपलब्धि के साथ ही स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा की टीम ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स और ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है।

किशोरियों के माहवारी स्वास्थ्य एवं हेल्थ एजुकेशन को प्रभावी बनाएं : प्रमुख सचिव वी. हेकाली झिमोमी

राज्य स्तरीय समिति की बैठक में माहवारी स्वच्छता, किशोरावस्था स्वास्थ्य, पोषण एवं सुरक्षित अपशिष्ट निस्तारण के लिए विभागीय समन्वय से प्रभावी कार्ययोजना विकसित करने के निर्देश

लखनऊ।

किशोरियों के माहवारी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता सेवाओं को सुदृढ़ करने तथा उन्हें वैज्ञानिक एवं व्यवहारिक स्वास्थ्य शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय माहवारी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति की बैठक सोमवार को एनेक्सी भवन, लखनऊ में प्रमुख सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण वी. हेकाली झिमोमी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में प्रमुख सचिव ने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ किशोरियों के स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं जागरूकता से जुड़ी व्यवस्थाओं को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।



प्रमुख सचिव ने सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं को निःशुल्क सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध कराने के लिए प्रभावी व्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने हेल्थ एजुकेशन को विद्यालयों की नियमित गतिविधियों से जोड़ते हुए किशोरियों को माहवारी स्वास्थ्य, व्यक्तिगत स्वच्छता, किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक एवं मानसिक परिवर्तनों तथा स्वस्थ जीवनशैली के संबंध में आयु के अनुरूप वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि माहवारी प्रारंभ होने से पूर्व ही किशोरियों को इसके संबंध में आवश्यक जानकारी एवं जागरूकता उपलब्ध कराने के लिए नियमित स्वास्थ्य शिक्षा सत्र आयोजित किए जाएं। इन सत्रों में माहवारी चक्र, सुरक्षित एवं स्वच्छ माहवारी व्यवहार, संतुलित पोषण, एनीमिया की रोकथाम तथा आवश्यकता पड़ने पर स्वास्थ्य सेवाओं एवं परामर्श की उपलब्धता जैसे विषयों को शामिल किया जाए।

देश-विदेश के 300 से अधिक चिकित्सकों ने साझा किए न्यूरोलॉजी के आधुनिक उपचार और शोध अनुभव : डॉ. मुकुल पांडेय

न्यूरोकॉन-2026 में 90 न्यूरोलॉजिस्ट और न्यूरोसर्जन ने दिए व्याख्यान

प्रयागराज।

न्यूरोलॉजी और न्यूरोसर्जरी के क्षेत्र में नई तकनीकों, शोध और बेहतर उपचार पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए देश-विदेश के विशेषज्ञों का एक मंच पर आना चिकित्सा जगत के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। ऐसे सम्मेलन चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान को नई दिशा देने के साथ युवा चिकित्सकों को आधुनिक उपचार तकनीकों से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह बात संगमनगरी में आयोजित तीन दिवसीय यूपी-यूके न्यूरोकॉन-2026 में आयोजन अध्यक्ष डॉ. मुकुल पांडेय ने सोमवार को कही।



कार्यक्रम में देश-विदेश के 300 से अधिक चिकित्सकों और चिकित्सा विशेषज्ञों ने भाग लिया। सम्मेलन में करीब 90 न्यूरोलॉजिस्ट और न्यूरोसर्जन ने अपने शोध, वैज्ञानिक अनुभव और आधुनिक उपचार पद्धतियों की जानकारी साझा की। चार प्रतिष्ठित विशेषज्ञों डॉ. बी.के. मिश्रा, डॉ. अचल श्रीवास्तव, डॉ. अवधेश जायसवाल और डॉ. जयंती कलिता ने विशेष व्याख्यान दिए। इनमें न्यूरोसाइंस के क्षेत्र में हुई नई उपलब्धियों, उपचार की आधुनिक तकनीकों और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की गई।

हर वार्ड में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार और हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना प्राथमिकता : गणेश केसरवानी

मिनहाजपुर के गाड़ीवान टोला में 10 एचपी मिनी नलकूप का महापौर ने किया शिलान्यास, 200 परिवारों को मिलेगा लाभ

प्रयागराज।

शहर के प्रत्येक वार्ड में विकास कार्यों को गति देना और हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना नगर निगम की प्राथमिकता है। किसी भी क्षेत्र के नागरिकों को पेयजल जैसी बुनियादी सुविधा के लिए परेशान न होना पड़े, इसके लिए लगातार नए नलकूपों की स्थापना और पेयजल व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। यह बातें सोमवार को महापौर गणेश केसरवानी ने मिनहाजपुर के गाड़ीवान टोला में कहीं।

महापौर ने वार्ड संख्या 60 के मिनहाजपुर स्थित गड़िकला, गाड़ीवान टोला के दुर्गा पूजा पार्क में 10 एचपी क्षमता के मिनी नलकूप का शिलान्यास एवं भूमिपूजन किया। उन्होंने कहा कि नलकूप के स्थापित होने से क्षेत्र के लगभग 200 परिवारों को स्वच्छ पेयजल की सुविधा मिलेगी। इससे स्थानीय लोगों को पेयजल की समस्या से राहत मिलेगी।

महापौर ने कहा कि पेयजल प्रत्येक नागरिक की बुनियादी आवश्यकता है। नगर निगम का प्रयास है कि शहर के हर वार्ड में पर्याप्त और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए।

सर्वोदय विद्यालयों में खेल प्रतिभाओं को मिलेगा नया मंच, कबड्डी-वॉलीबाल से निखरेगा हुनर

लखनऊ।

प्रदेश सरकार शिक्षा के साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने पर विशेष जोर दे रही है। इसी दिशा में समाज कल्याण विभाग की ओर से संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के तहत कबड्डी और वॉलीबाल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इन मुकाबलों के जरिए विद्यालयों के विद्यार्थियों को अपनी खेल प्रतिभा दिखाने और आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

प्रतियोगिताओं में सीनियर वर्ग के खिलाड़ी कबड्डी के दांव और वॉलीबाल के स्मैश से मैदान में अपनी क्षमता का प्रदर्शन करेंगे।



प्रतियोगिताओं का पहला चरण 18 और 19 नवंबर को जनपद स्तर पर आयोजित होगा, जबकि 26 से 28 नवंबर तक जोन स्तर पर मुकाबले कराए जाएंगे। इससे विद्यार्थियों को बेहतर प्रतिस्पर्धात्मक मंच मिलने के साथ खेलों के प्रति रुचि भी बढ़ेगी।

खेलों से निखरेगा व्यक्तित्व, बढ़ेगा आत्मविश्वास

योगी सरकार का प्रयास है कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेलकूद के क्षेत्र में भी आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर मिलें। कबड्डी और वॉलीबाल जैसी टीम आधारित प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आपसी सहयोग और टीम भावना विकसित करने में मददगार होंगी। साथ ही प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी क्षमता साबित करने का अवसर मिलेगा।

अधिकारियों को सौंपी गई आयोजन की जिम्मेदारी

प्रतियोगिताओं के व्यवस्थित और सफल आयोजन के लिए विभाग ने अधिकारियों की जिम्मेदारियां निर्धारित की हैं। जनपद स्तर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी और जोन स्तर पर संयुक्त अथवा उप निदेशक समाज कल्याण नोडल अधिकारी होंगे। वहीं, संबंधित विद्यालयों के प्रधानाचार्य आयोजन की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करेंगे।

विजेता खिलाड़ियों का विवरण निदेशालय को भेजा जाएगा

समाज कल्याण विभाग के निदेशक संजीव सिंह ने बताया कि प्रतियोगिताओं के समापन के बाद विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों का विस्तृत विवरण निदेशालय को उपलब्ध कराया जाएगा। विभाग की इस पहल से सर्वोदय विद्यालयों के विद्यार्थियों को अपनी खेल प्रतिभा निखारने और बेहतर प्रदर्शन का अवसर मिलेगा।

शिक्षा के साथ खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने से विद्यार्थियों का शारीरिक और मानसिक विकास भी मजबूत होगा।

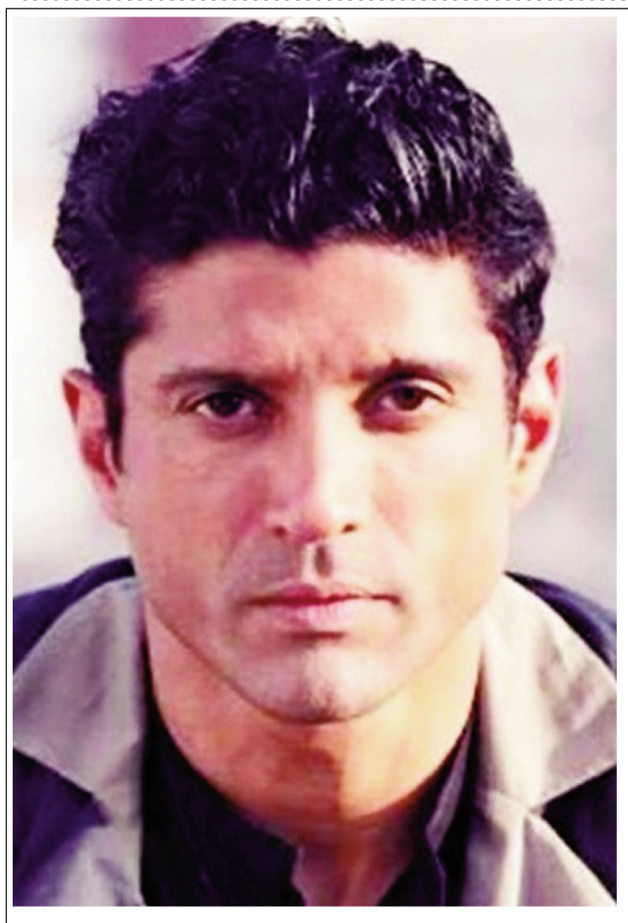

फरहान अख्तर ने वेब सीरीज 'मिर्जापुर' को बड़े पर्दे पर लाने के पीछे की सोच के बारे में बात की

फरहान अख्तर ने वेब सीरीज 'मिर्जापुर' की दुनिया को बड़े पर्दे पर लाने के पीछे की सोच के बारे में खुलकर बात की है। उनका कहना है कि सीरीज के पहले दो सीजन को दर्शकों से मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स ने उन्हें और निर्माता रितेश सिधवानी को यह सोचने पर मजबूर किया कि 'मिर्जापुर' की कहानी को फिल्म के रूप में भी आगे बढ़ाया जा सकता है। मेकर्स का मानना था कि इस सीरीज की दुनिया और इसके किरदार बड़े पर्दे पर भी दर्शकों को पसंद आएंगे।

फरहान ने बातचीत में बताया कि पहले और दूसरे सीजन के बाद जब भी वे कहीं जाते थे, लोग उनसे 'मिर्जापुर' के अगले सीजन के बारे में जरूर पूछते थे। दर्शकों के बीच इस कहानी को लेकर काफी उत्सुकता थी। लोग जानना चाहते थे कि इसका अगला हिस्सा कब आएगा और कहानी में आगे क्या होने वाला है।

फरहान ने कहा, ''आप जानते हैं, बात यह है कि पहले और दूसरे सीजन के बाद जब भी हम कहीं जाते थे, लोग हमसे हमेशा पूछते थे कि 'मिर्जापुर' का अगला सीजन कब आएगा? आगे क्या होने वाला है? इसे कब बनाया जाएगा? क्या इसका तीसरा सीजन भी आएगा?''

उन्होंने आगे कहा, ''जब भी हम बाहर निकलते थे, हमें लोगों के बीच एक अलग तरह का उत्साह दिखाई देता था। हमें लगा कि फिल्म और सीरीज की कहानी और इसकी लेखन शैली बड़े पर्दे पर भी बहुत अच्छी तरह काम करेगी।''

फरहान ने बताया, '''मिर्जापुर' के किरदार और इसकी दुनिया काफी बड़े स्तर की है। दर्शकों ने अब तक इस दुनिया को घर पर बैठकर अकेले या अपने परिवार के साथ देखा है, लेकिन फिल्म के जरिए उन्हें इसे एक अलग अंदाज में देखने का मौका मिलने वाला था। फिल्म को लेकर मेकर्स की सोच थी कि यह दर्शकों को एक साथ सिनेमाघर में बैठकर कहानी देखने का अनुभव देगी।'' उन्होंने कहा, ''मेकर्स चाहते थे कि जिन लोगों ने कभी 'मिर्जापुर' नहीं देखी है, वे भी फिल्म देखने आएं और इसका पूरा आनंद ले सकें। वे फिल्म देखकर बाहर निकलें तो उन्हें लगे कि उन्होंने एक पूरी कहानी देखी है, न कि किसी सीरीज का अधूरा हिस्सा। यह हमारे सामने एक चुनौती थी। लेकिन पुनीत की लेखनी और गुरु के निर्देशन ने सब कुछ बहुत खूबसूरती से जोड़ दिया। हमें शुरुआत से ही विश्वास था कि 'मिर्जापुर' की यह दुनिया फीचर फिल्म के रूप में भी अच्छी तरह ढल सकती है।''

अब फिल्म डिजिटल प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज हो गई है। फरहान ने कहा, ''किसी न किसी मायने में यह घर वापसी जैसा है। अच्छा लग रहा है। फिल्म को ओटीटी पर एक अलग तरह के दर्शक भी देखने वाले हैं। अब अमेजन प्राइम पर रिलीज के जरिए हम उन दर्शकों तक भी पहुंच पाएंगे।''





रोमांटिक किरदार निभाने पर बोले मनोज बाजपेयी

अभिनेता मनोज बाजपेयी अपनी नई फिल्म 'लास्ट मैन इन टॉवर' को लेकर चर्चा में हैं। इसके प्रमोशन के दौरान अभिनेता ने इस बात पर चर्चा की कि इंडस्ट्री में तीन दशक बिताने के बावजूद, उन्हें रोमांटिक फिल्मों में बहुत कम क्यों देखा गया है। बातचीत में अभिनेता ने बताया कि वह हमेशा से एक जटिल प्रेम कहानी का हिस्सा बनना चाहते थे, लेकिन उन्हें कभी कोई सही ऑफर नहीं मिला। दिलचस्प बात यह है कि मनोज का मानना है कि इंडस्ट्री में अभी भी ऐसे अभिनेताओं को रोमांटिक किरदारों में कास्ट करने को लेकर हिचकिचाहट है, जिनका लुक पारंपरिक नहीं है। मनोज ने बताया कि उनसे पूछा गया था कि वह रोमांटिक फिल्में क्यों नहीं करते। उन्होंने कहा, 'किसी ने मुझसे पूछा, 'आप रोमांटिक फिल्में क्यों नहीं करते?' मैंने कहा, 'अरे भाई, तीन दशक हो गए हैं!' मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि कोई निर्देशक या लेखक मुझे रोमांटिक फिल्म का ऑफर देने में दिलचस्पी रखता हो।' अभिनेता ने कहा कि उन्हें कभी भी पर्दे पर रोमांस करने की अपनी क्षमता पर कोई शक नहीं रहा। हालांकि, वह हमेशा से एक आम प्रेम कहानी से कुछ अलग और बेहतर करना चाहते थे। उन्होंने कहा, 'मुझे पता है कि एक रोमांटिक किरदार कैसे निभाते हैं। मुझे पता है कि रोमांस कैसे किया जाता है। शायद मैं किसी आम रोमांटिक फिल्म से कुछ हटकर तलाश रहा था, क्योंकि मैं ऐसा इंसान नहीं हूं जो आसानी से किसी एक घिसे-पिटे सांचे में फिट हो जाए। मैं हमेशा से एक बहुत ही जटिल प्रेम कहानी की तलाश में था, लेकिन मुझे कभी ऐसा कोई ऑफर नहीं मिला। एक-दो मौके आए भी, लेकिन किसी न किसी वजह से वे फिल्में कभी बन ही नहीं पाईं या शुरू ही नहीं हो सकीं।' अपने करियर के इस पड़ाव पर, मनोज को लगता है कि अधेड़ उम्र के लोगों के रोमांस को पर्दे पर दिखाना एक दिलचस्प विषय हो सकता है। उन्होंने आगे कहा, 'आज के समय में आप केवल अधेड़ उम्र के लोगों की प्रेम कहानी के बारे में ही सोच सकते हैं। ऐसे देश में जहां अलग लुक वाले अभिनेताओं के पास रोमांटिक फिल्म करने का विकल्प तक नहीं है, वहां वह यह कैसे सोच सकते हैं कि कोई अधेड़ उम्र का व्यक्ति इस तरह के दर्शकों के लिए रोमांस कर सकता है? निर्देशक और लेखक उतने ही अच्छे होते हैं जितना कि समाज, है ना? इसलिए, मुझे हमेशा उम्मीद रहती है कि कोई कुछ बहुत ही अनोखा और जटिल लेकर आएगा। जैसे कि अधेड़ उम्र के लोगों की कहानी।'



श्रुति हासन ने कॉस्मेटिक प्रोसीजर को लेकर अपने निजी अनुभवों पर बात की

अभिनेत्री श्रुति हासन ने कॉस्मेटिक सर्जरी और शराब को लेकर अपने निजी अनुभवों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें कॉस्मेटिक प्रोसीजर के बारे में झूठ बोलने की कोई जरूरत महसूस नहीं होती। इसके साथ ही अभिनेत्री ने बताया कि वह आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं। श्रुति हासन ने ये बातें नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में बातचीत के दौरान कही। कॉस्मेटिक प्रोसीजर को लेकर अपनी राय रखते हुए उन्होंने कहा कि हर किसी को अपनी मर्जी से फैसले लेने का अधिकार है, लेकिन उन्हें इन फैसलों को छिपाने या उनके बारे में झूठ बोलने की जरूरत समझ नहीं आती।

श्रुति ने कहा, ''मैं इन चीजों के बारे में बहुत सोच-समझकर बात करती हूं, लेकिन मैं लोगों के सामने बड़ी हुई हूं और ऐसे में इस बारे में झूठ बोलना बेवकूफी होगी। मैं किसी को जज नहीं कर रही हूं, लेकिन कुछ लोग कहते हैं- 'मैं तो ऐसी ही पैदा हुई थी'... जबकि तीन हफ्ते पहले तो आप ऐसे नहीं दिखते थे।'' उन्होंने आगे कहा कि हर किसी की अपनी पसंद और अपनी जिंदगी है। किसी को भी अपने शरीर के साथ क्या करना है, यह तय करने का पूरा अधिकार है। उन्हें सिर्फ इस बात से परेशानी है कि लोग अपनी पसंद के बारे में सच बोलने से क्यों बचते हैं। अभिनेत्री ने कहा, ''सबकी मर्जी, खुद की मर्जी। मुझे इसके बारे में झूठ बोलने की कोई वजह समझ नहीं आती। लेकिन मैं इसे बढ़ावा भी नहीं देना चाहती।'' बातचीत के दौरान श्रुति ने अपनी जिंदगी के एक निजी पहलू पर भी बात की। उन्होंने शराब के साथ अपने रिश्ते और उससे दूरी बनाने के अनुभव को साझा किया। अभिनेत्री ने बताया कि वह लगातार आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं। इस दौरान उन्होंने एक बूंद भी शराब नहीं पी थी। हालांकि, इसके बाद उन्होंने दोबारा शराब पीना शुरू कर दिया। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए श्रुति ने कहा, ''मैंने हमेशा खुलकर कहा है कि शराब मेरे लिए अच्छी नहीं है। अब मैं इसे लेकर बहुत सावधान रहती हूं। फिलहाल मैं इसे संभालने की कोशिश के सफर में हूं।''

श्रुति हासन दिग्गज अभिनेता कमल हासन और अभिनेत्री सारिका ठाकुर की बेटी हैं। उन्होंने अपने करियर में हिंदी के साथ तमिल और तेलुगु फिल्मों में भी काम किया है। अभिनय के अलावा वह संगीत में भी रुचि रखती हैं और एक गायिका के तौर पर भी अपनी पहचान बना चुकी हैं।



शूर्पणखा बनने के लिए रकुल प्रीत को रोज लगते थे चार घंटे

इन दिनों फिल्म 'रामायण' को लेकर भी दर्शकों के बीच काफी चर्चा है। फिल्म में शूर्पणखा का किरदार निभा रहीं अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने अब अपने इस सफर की कुछ खास झलकियां साझा की हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर बिहाइंड द सीन्स (बीटीएस) तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए हैं, जिनमें वह अपने किरदार की तैयारी करती, मेकअप करवाती और शूटिंग के दौरान नजर आ रही हैं। रकुल ने इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए इस पोस्ट के जरिए बताया कि वह काफी समय से इस किरदार को निभाने का अनुभव फैंस के साथ साझा करना चाहती थीं। पोस्ट में उनके शूर्पणखा के लुक की तैयारी से लेकर सेट पर शूटिंग तक के कई पल देखने को मिल रहे हैं।

इनमें मेकअप और हेयरस्टाइल टीम के साथ बिताया गया समय भी शामिल है। रकुल ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'मैं 'रामायण' में शूर्पणखा का किरदार निभाने का अनुभव साझा करने का इंतजार कर रही थी। यह मेरे लिए बेहद खास सफर रहा है। ऐसा हर बार नहीं होता कि आपको ऐसी कहानी का हिस्सा बनने का मौका मिले, जो पीढ़ियों से हमारी जिंदगी और संस्कृति का हिस्सा रही है। 'रामायण' को इतने बड़े स्तर पर पर्दे पर जीवंत होते देखना वाकई एक अलग अनुभव है। ऐसी कहानी का हिस्सा बनना, जो हमारे देश के लिए इतना मायने रखती है और उसे इतने बड़े स्तर पर आकार लेते देखना, इस सफर को मेरे लिए और भी खास बनाता है।'' उन्होंने आगे लिखा, ''नमित मल्होत्रा और नितेश तिवारी का शुक्रिया, जो दूर की सोच रखने वाले ऐसे लोग हैं, जिन्होंने बड़ा सपना देखा और उसे हकीकत में बदला। उनकी मेहनत और भारत से पूरी दुनिया तक कुछ असाधारण बनाने की इच्छा इस सफर को बेहद प्रेरणादायक बनाती है। रणबीर कपूर, साई पल्लवी, यश, रवि दुबे, काजल अग्रवाल, शोभना और पूरी स्टारकास्ट व क्रू का भी शुक्रिया। आप सभी शानदार सह-कलाकार रहे और इस जादू को पर्दे पर उतारने के लिए सभी ने अपनी पूरी मेहनत लगा दी।

बॉक्स ऑफिस पर श्रद्धा कपूर से भिड़ेंगे सलमान खान, फिर भी 'ईथा' को किया सपोर्ट



बॉक्स ऑफिस पर जब दो बड़े सितारों की फिल्में एक ही दिन रिलीज होती हैं, तो मुकाबले की चर्चा होना लाजिमी है. लेकिन इस बार सलमान खान ने ऐसा कुछ किया है, जिसने सबका ध्यान खींच लिया है. उनकी फिल्म 'मातृभूमि' और श्रद्धा कपूर की फिल्म 'ईथा' 4 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली हैं. यानी दोनों फिल्मों के बीच सीधी टक्कर होने वाली है. इसके बावजूद सलमान ने श्रद्धा की फिल्म को सपोर्ट किया है और पूरी टीम को शुभकामनाएं दी हैं.

सलमान ने शेयर किया 'ईथा' का पोस्टर और ट्रेलर

12 नवंबर को सलमान खान ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर श्रद्धा कपूर की फिल्म 'ईथा' का पोस्टर और ट्रेलर लिंक शेयर किया. उन्होंने श्रद्धा कपूर और मैडॉक फिल्म्स को टैग करते हुए लिखा, 'ऑल द बेस्ट फॉर ईथा.' सलमान के इस पोस्ट को मैडॉक फिल्म्स ने भी री-शेयर किया और उनका शुक्रिया अदा किया. प्रोडक्शन हाउस ने लिखा, 'प्यार और सपोर्ट के लिए शुक्रिया सलमान सर.' खास बात यह है कि सलमान ने यह शुभकामना ऐसे वक्त दी है, जब उनकी अपनी फिल्म भी श्रद्धा की फिल्म के साथ रिलीज होने जा रही है. लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी 'ईथा' एक बायोग्राफिकल ड्रामा है. इसमें श्रद्धा कपूर महाराष्ट्र की मशहूर तमाशा और लावणी कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर का किरदार निभा रही हैं. वहीं सलमान खान की फिल्म 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' का निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है. फिल्म में सलमान के साथ चित्रांगदा सिंह नजर आएंगी. अब 4 दिसंबर को बॉक्स ऑफिस पर दोनों फिल्मों का मुकाबला दिलचस्प होने वाला है.



वेब सीरीज 'पुष्पक विमान' में नजर आएंगे जयदीप अहलावत



जयदीप अहलावत एक बार फिर दर्शकों के लिए कुछ नया लेकर आ रहे हैं. अजय देवगन की फिल्म 'दृश्यम 3' में अपने अभिनय को लेकर चर्चा में रहे अभिनेता अब नई वेब सीरीज 'पुष्पक विमान' में नजर आएंगे. इस बार कहानी में सिर्फ अपराध और रहस्य ही नहीं, बल्कि हंसी-मजाक का भी तड़का होगा. 'पुष्पक विमान' में जयदीप अहलावत के साथ बरुन सोबती और अभिषेक बनर्जी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे. इस सीरीज को सुदीप शर्मा बना रहे हैं, जो 'पाताल लोक', 'कोहरा' और 'उड़ता पंजाब' जैसी कहानियों से पहले भी दर्शकों का ध्यान खींच चुके हैं. बरुन सोबती और सुदीप शर्मा इससे पहले भी साथ काम कर चुके हैं. अब यह जोड़ी एक नई कहानी के साथ लौट रही है रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स इस सीरीज को 2026 की शुरुआत में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं. हालांकि, इसकी कहानी और दूसरी जानकारियों को फिलहाल गुप्त रखा गया है.

खुशियों की बारात मातम में बदली, हादसे में सैनिक की मौत, 9 घायल

● कमालगंज ब्लॉक के देवरान गढ़िया गांव में पसरा मातम, छुट्टी पर आए जवान को मंगलवार को जाना था वापस ड्यूटी पर

यूथ इंडिया, कमालगंज





कमालगंज थाना क्षेत्र के देवरान गढ़िया गांव से सोमवार को बड़ी धूमधाम से हरदोई जिले के हसनापुर के लिए रवाना हुई एक बारात रास्ते में ही मातम में बदल गई। इटावा-बरेली हाईवे पर हुए भीषण सड़क हादसे में गांव के होनहार सैनिक विश्वनाथ की मौत हो गई, जबकि दूल्हे के भाई समेत 9 बाराती गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की खबर मिलते ही पूरे गांव में कोहराम मच गया। शादी की खुशियां पलभर में चीख-पुकार में बदल गईं।

जानकारी के अनुसार, देवरान गढ़िया गांव निवासी प्रदीप पाल की बारात सोमवार को हरदोई जिले के हसनापुर जा रही थी। बारात की एक एक्सयूवी कार में दूल्हे के सैनिक भाई रितिक समेत कुल नौ लोग सवार थे। कार को सत्येंद्र चला रहा था।

रात करीब आठ बजे जैसे ही कार राजेपुर थाना क्षेत्र के महमदपुर गढ़िया गांव के पास पहुंची, तभी सामने से आ रही एक पिकअप से उसकी आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और मौके पर ही चीख-पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीण दौड़कर मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने अपनी दो गाड़ियों और एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को राजेपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और फिर लोहिया अस्पताल पहुंचाया। लोहिया अस्पताल की इमरजेंसी में डॉक्टरों ने सैनिक विश्वनाथ को मृत घोषित कर दिया।

बताया गया कि मृतक विश्वनाथ सेना में नौकरी करते थे और उनकी तैनाती हिमाचल प्रदेश में थी। चचेरे भाई के मुताबिक, विश्वनाथ एक महीने पहले छुट्टी पर घर आए थे। मंगलवार को उन्हें वापस हिमाचल जाना था, लेकिन इससे पहले ही यह दर्दनाक हादसा हो गया। विश्वनाथ दो भाइयों में बड़े थे। उनकी एक बेटी है। उनकी मौत से पत्नी पूजा समेत पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में हर आंख नम है।

हादसे में देवरान गढ़िया गांव निवासी 22 वर्षीय सोनू, 25 वर्षीय हृदेश पुत्र अजय पाल निवासी विधूना औरैया, 30 वर्षीय सत्येंद्र, 26 वर्षीय रितिक, 20 वर्षीय हनी, 19 वर्षीय शिवा पाल, 28 वर्षीय सनी पाल, 28 वर्षीय बृजेश और कोमल के अलावा औरैया जिले के बिधूना निवासी 25 वर्षीय ह्रदेश घायल हुए हैं। लोहिया अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने सत्येंद्र, ह्रदेश, कोमल और हनी को रेफर कर दिया।

बारातियों के घायल होने की सूचना पर भोजपुर विधायक नागेंद्र सिंह राठौर भी लोहिया अस्पताल पहुंचे। उन्होंने चिकित्सकों से घायलों की स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि घायलों को कन्नौज के तिर्वा मेडिकल कॉलेज रेफर करने के बजाय किसी हायर सेंटर भेजा जाए।

खेत में लकड़ी लेने गई 75 वर्षीय वृद्धा की संदिग्ध हालात में मौत

● जेवर और नकदी गायब होने से हत्या की आशंका

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

नवाबगंज थाना क्षेत्र के भगौरा गांव में खेत पर लकड़ी लेने गई 75 वर्षीय वृद्धा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उनका शव खेत में पड़ा मिला। गले से खून निकल रहा था और जीभ बाहर निकली हुई थी। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए आरोप लगाया कि वृद्धा के कानों के कुंडल, नाक का फूल और उनके पास रखे छह से सात हजार रुपये भी गायब हैं। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार भगौरा गांव निवासी स्वर्गीय रामविलास की पत्नी राममूर्ति देवी सोमवार दोपहर करीब एक बजे घर से खेत पर लकड़ी लेने गई थीं। दोपहर करीब 2:40 बजे उनका छोटा बेटा नन्हे अपने भतीजे ऋषभ के साथ खेत की तरफ पहुंचा। वहां मां को जमीन पर पड़ा देखकर वह घबरा गया। पास जाकर देखा तो उनके गले से खून निकल रहा था और जीभ बाहर निकली हुई थी। यह दृश्य देखकर नन्हे की चीख निकल गई। उसकी आवाज सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए।

घटनास्थल पर लकड़ी काटने वाला टकोरा पड़ा मिला, जबकि वृद्धा की चप्पलें भी इधर-उधर बिखरी हुई थीं। परिजनों के मुताबिक, राममूर्ति देवी के कानों में पहने कुंडल, नाक का फूल और उनके पास रखी छह से सात हजार रुपये की नकदी भी नहीं मिली। इन परिस्थितियों को देखते हुए परिजनों ने वृद्धा के साथ किसी अनहोनी की आशंका जताई है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों का अभी पता नहीं चल सका है।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस की पीआरवी टीम मौके पर पहुंची और नवाबगंज प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार को जानकारी दी। उनके निर्देश पर वरिष्ठ उप निरीक्षक गीतम सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया। टीम ने मौके से जरूरी साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया शुरू की, ताकि घटना से जुड़े तथ्यों का पता लगाया जा सके।

रामसूर्ति देवी के पांच बेटे रामशरण, आसाराम, मुकेश, मानसिंह और नन्हे हैं। सभी खेती-किसानी करते हैं, जबकि उनकी दो बेटियों की शादी हो चुकी है। वृद्धा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से परिवार में शोक का माहौल है। परिजन घटना की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

सीओ मोहम्मदाबाद आलोक कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पिता और भाई के साथ मारपीट व जान से मारने की धमकी देने का आरोप, चार लोगों पर मुकदमा दर्ज

फर्रुखाबाद। नवाबगंज थाना क्षेत्र के ग्राम नगला जोधा में मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। आरोप है कि गांव के ही नरवीर सिंह पुत्र नेकसे समेत चार लोगों ने ज्ञान सिंह, उनके पिता और भाई के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। घटना के दौरान आरोपियों ने पीड़ित पक्ष को जान से मारने की धमकी भी दी। मामले के बाद गांव में विवाद की स्थिति पैदा हो गई। पीड़ित ज्ञान सिंह ने थाना नवाबगंज पहुंचकर पुलिस को घटना की जानकारी दी और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस को दी गई तहरीर में वादी ज्ञान सिंह पुत्र धुरईलाल निवासी ग्राम नगला जोधा ने आरोप लगाया कि नरवीर सिंह समेत चार लोगों ने उनके और उनके परिवार के सदस्यों के साथ अभद्रता करते हुए गाली-गलौज की। विरोध करने पर आरोपियों ने उनके पिता और भाई के साथ भी मारपीट की। पीड़ित के अनुसार, आरोपियों ने पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। घटना से परेशान होकर पीड़ित ने पुलिस से मामले में हस्तक्षेप कर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की। पीड़ित की तहरीर के आधार पर थाना नवाबगंज पुलिस ने नरवीर सिंह पुत्र नेकसे निवासी ग्राम नगला जोधा समेत चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने इस मामले में प्राथमिकी पंजीकृत की है।

युवती की मौत से मचा कोहराम, घर के कमरे में फंदे पर लटका मिला शव

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

थाना मऊदरवाजा क्षेत्र के मोहल्ला सरदार खां में 24 वर्षीय युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से परिवार में हड़कंप मच गया। युवती का शव घर की छत पर बने ऊपरी कमरे के बाहर लगे जाल में साड़ी के फंदे से लटका मिला। घटना की जानकारी होते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई।

मृतका की पहचान संजीव शाक्य पुत्र स्वर्गीय फतेह बहादुर निवासी मोहल्ला सरदार खां की 24 वर्षीय पुत्री नेहा शाक्य के रूप में हुई। परिजनों के अनुसार, नेहा पिछले कुछ समय से मानसिक तनाव में थी। बताया गया कि बीती शाम उसने घर की छत पर बने कमरे के बाहर लगे जाल में अपनी मां की साड़ी से फंदा बना लिया। रात करीब आठ बजे परिजनों की नजर उस पर पड़ी तो उनके होश उड़ गए।

आनन-फानन में परिजन नेहा को फंदे से नीचे उतारकर उपचार के लिए डॉ. हरिदत्त द्विवेदी के अस्पताल लेकर पहुंचे। हालांकि चिकित्सक ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन शव को घर वापस ले आए और पुलिस को घटना की सूचना दी।

सूचना मिलने पर प्रभारी निरीक्षक रामसहाय सिंह और बजरिया चौकी प्रभारी यतेंद् सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर परिजनों से जानकारी जुटाई। इसके बाद शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। युवती की मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है। घटना को लेकर पुलिस द्वारा आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

शादी के कार्ड बांटकर लौट रहे चचेरे भाइयों की बाइक को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, एक की मौत

यूथ इंडिया, कंपिल (फर्रुखाबाद)

शादी की खुशियों के बीच एक दर्दनाक सड़क हादसे ने परिवार को मातम में डुबो दिया। कायमगंज बाईपास पर सोमवार देर रात अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार पिंटू पाल (24) की मौत हो गई, जबकि उसका बड़ा चचेरा भाई विस्मोद (30) गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

कंपिल थाना क्षेत्र के गांव हथवाया निवासी सत्यभान पाल का पुत्र पिंटू नोएडा के एक पेट्रोल पंप पर काम करता था। दीपावली की छुट्टियों में वह घर आया हुआ था। परिवार में उसके चचेरे भाई प्रदीप की शादी आगामी 6 दिसंबर को होनी है। इसी शादी के निमंत्रण कार्ड बांटने के लिए सोमवार दोपहर पिंटू अपने चचेरे भाई और ट्रक चालक विस्मोद के साथ बाइक से शमसाबाद गया था।

रिश्तेदारों को शादी के कार्ड बांटकर दोनों सोमवार रात करीब साढ़े दस बजे गांव लौट रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक कायमगंज बाईपास के पास पहुंची, पीछे से आए तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों बाइक समेत सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंचे परिजन उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र



कायमगंज ले गए, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को डॉ. राममनोहर लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया गया।

लोहिया अस्पताल की इमरजेंसी में डॉक्टर रिशु अग्निहोत्री ने जांच के बाद पिंटू को मृत घोषित कर दिया, जबकि विस्मोद का उपचार जारी है। अस्पताल प्रशासन ने शव को मोर्चरी में रखवाकर पुलिस को सूचना दे दी है। तीन भाइयों में दूसरे नंबर का पिंटू अविवाहित था। जवान बेटे की मौत की खबर सुनते ही मां रन्नो देवी बेसुध हो गईं। जिस घर में कुछ दिनों बाद शादी की खुशियां मनाई जानी थीं, वहां अब मातम पसरा हुआ है।

जमापुर पेट्रोल पंप के पास तेज रफ्तार बाइक ने बड़े भाई को मारी टक्कर, घायल, मुकदमा दर्ज

फर्रुखाबाद। जमापुर पेट्रोल पंप के पास तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाई जा रही मोटरसाइकिल ने एक व्यक्ति को टक्कर मारकर घायल कर दिया। हादसे में मोटरसाइकिल भी क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद पीड़ित के भाई ने पुलिस को तहरीर देकर अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। बाइक का नंबर यूपी 76 एडब्ल्यू 3854 बताया गया है। हादसे को लेकर पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, थाना कादरीगेट क्षेत्र के विकास नगर भगवा नगला निवासी कृष्णकान्त पुत्र स्वर्गीय रामबाबू ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उनके बड़े भाई को जमापुर पेट्रोल पंप के पास एक मोटरसाइकिल सवार ने टक्कर मार दी।

शादी का कार्ड बांटकर लौट रहे युवक की हादसे में मौत, चचेरा भाई घायल

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

कायमगंज बाईपास मार्ग पर सोमवार देर शाम अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसका चचेरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों रिश्तेदारी में शादी के कार्ड बांटकर घर लौट रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

कम्पिल थाना क्षेत्र के हथवामा गांव निवासी विस्मोद के छोटे भाई प्रदीप की शादी छह दिसंबर को होनी है। इसी



सिलसिले में सोमवार को विस्मोद अपने चचेरे भाई पिंटू पाल के साथ शमशाबाद थाना क्षेत्र में रिश्तेदारी में शादी के कार्ड बांटने गया था। देर शाम दोनों बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान कायमगंज बाईपास मार्ग पर एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।

हादसे में बाइक सवार पिंटू पाल और विस्मोद गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कायमगंज पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उन्हें लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया गया। यहां इमरजेंसी में चिकित्सकों ने 26 वर्षीय पिंटू पाल को मृत घोषित कर दिया, जबकि विस्मोद का उपचार जारी है।

बताया गया कि पिंटू तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था और अपने पिता के साथ खेती-किसानी करता था। उसकी अभी शादी नहीं हुई थी। वहीं, विस्मोद ट्रक चालक है। हादसे में पिंटू की मौत से परिवार में मातम छा गया। अस्पताल प्रशासन ने शव को मोर्चरी में रखवाकर पुलिस को सूचना दे दी है। पुलिस मामले में आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

सफाई व्यवस्था में लापरवाही पर छह कर्मचारी निलंबित

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

जिले में ग्रामीण क्षेत्रों की सफाई व्यवस्था में लापरवाही और ड्यूटी के प्रति उदासीनता बरतने पर जिला पंचायत राज अधिकारी ने छह सफाई कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही ग्राम पंचायत सोता बहादुरपुर के सचिव और प्रधान/प्रशासक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। अधिकारियों की इस कार्रवाई से सफाई विभाग में हड़कंप मच गया है।

जिला पंचायत राज अधिकारी अविनाश चंद चौरसिया ने ग्राम पंचायत पपियापुर का निरीक्षण किया था। इस दौरान तैनात सफाई कर्मचारी साधना मौके पर मौजूद नहीं मिलीं। जांच में सामने आया कि उनके स्थान पर रामजीत नाम का व्यक्ति आठ हजार रुपये प्रतिमाह लेकर सफाई का काम कर रहा था। इस संबंध में ग्राम पंचायत सचिव और एडीओ ने भी पुष्टि की। सरकारी कर्मचारी की जगह दूसरे व्यक्ति से काम कराए जाने को गंभीर लापरवाही मानते हुए डीपीआरओ ने साधना को निलंबित कर राजेपुर ब्लॉक कार्यालय से संबद्ध कर दिया।

वहीं, शहर से सटी गंगा तटवर्ती ग्राम पंचायत सोता बहादुरपुर में सफाई व्यवस्था की स्थिति भी संतोषजनक नहीं मिली। यहां कुल आठ सफाई कर्मचारी तैनात हैं। पांचालघाट से कैंट क्षेत्र तक गंदगी और सफाई व्यवस्था खराब होने की शिकायतों के बाद जिलाधिकारी ने संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बाद डीपीआरओ ने सफाई कर्मचारी उर्मिला, संगीता, विजय, गीता और राजकुमार को निलंबित कर दिया।

डीपीआरओ ने सोमवार को पांचालघाट पुल से कैंटोनमेंट रोड तक सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान सड़क किनारे जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे मिले। निरीक्षण के समय अधिकांश सफाई कर्मचारी भी अनुपस्थित पाए गए। घाट परिसर में नियमित सफाई नहीं कराए जाने के साथ ही पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, साउंड सिस्टम और कूड़ा निस्तारण की व्यवस्था में भी कमियां सामने आई।

मधुमक्खियों के हमले में दुकानदार समेत 12 लोग घायल

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

शहर से सटे खानपुर गांव के पास मधुमक्खियों के झुंड ने अचानक राहगीरों पर हमला कर दिया। इस घटना में दुकानदार समेत करीब एक दर्जन लोग मधुमक्खियों के डंक से घायल हो गए। अचानक हुए हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सड़क से गुजर रहे लोगों ने मधुमक्खियों से बचने के लिए इधर-उधर भागकर सुरक्षित स्थानों पर शरण ली। घायलों में अधिकांश लोगों ने प्राथमिक उपचार कराया और बाद में अपने घर चले गए।

जानकारी के अनुसार, खानपुर गांव के पास स्थित एक स्कूल परिसर में नीम के पेड़ पर मधुमक्खियों का बड़ा छत्ता लगा हुआ है। बताया जा रहा है कि किसी पक्षी ने छत्ते में चोंच मार दी, जिसके बाद मधुमक्खियां अचानक आक्रामक हो गईं। देखते ही देखते मधुमक्खियों का झुंड पेड़ से निकलकर



सड़क की ओर फैल गया और वहां से गुजर रहे राहगीरों पर हमला बोल दिया। इस दौरान दुकानदारों और अन्य लोगों को भी मधुमक्खियों ने अपना निशाना बनाया।

हमले में खानपुर निवासी धीरज कुमार भी घायल हो गए। उन्होंने सिविल अस्पताल पहुंचकर उपचार कराया। धीरज कुमार के मुताबिक, नीम के पेड़ पर लगे मधुमक्खियों के छत्ते से पिछले तीन दिनों से ग्रामीण और राहगीर परेशान हैं। इस समस्या को लेकर उन्होंने वन विभाग से शिकायत भी की थी, लेकिन अब तक छत्ते को हटाने के लिए कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया।

ग्रामीणों का कहना है कि जिस स्थान पर मधुमक्खियों का छत्ता लगा है, उसके पास ही स्कूल संचालित है। ऐसे में प्रतिदिन बड़ी संख्या में बच्चे स्कूल आते-जाते हैं। यदि मधुमक्खियों का झुंड दोबारा आक्रामक हुआ तो बच्चों के लिए भी गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। अभिभावकों में भी इसको लेकर चिंता बनी हुई है।

स्थानीय लोगों ने वन विभाग और संबंधित अधिकारियों से जल्द से जल्द मधुमक्खियों के छत्ते को सुरक्षित तरीके से हटवाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार करने के बजाय समय रहते कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि राहगीरों, दुकानदारों, ग्रामीणों और स्कूली बच्चों को इस खतरे से राहत मिल सके।

दिव्यांग फरियादी की समस्या सुनने खुद पहुंचे क्षेत्राधिकारी अपराध अमोद कुमार, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

पुलिस अधीक्षक आरती सिंह के निर्देशन में जनपद पुलिस द्वारा जनसुनवाई के दौरान फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर उनके निस्तारण के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जनसुनवाई के दौरान एक दिव्यांग व्यक्ति अपनी फरियाद लेकर पुलिस कार्यालय पहुंचा। दिव्यांग व्यक्ति चलने-फिरने में असमर्थ था, जिसको देखते हुए क्षेत्राधिकारी अपराध अमोद कुमार ने संवेदनशीलता दिखाते हुए स्वयं उसके पास पहुंचकर उसकी समस्या सुनी।

क्षेत्राधिकारी अपराध ने दिव्यांग व्यक्ति से उसकी परेशानी के संबंध में विस्तार से जानकारी ली और उसकी



शिकायत को गंभीरता से समझा। उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए समस्या का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने दिव्यांग फरियादी को भरोसा दिलाया कि उसकी शिकायत पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी और उसे अपनी समस्या के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से परेशान नहीं होना पड़ेगा।

पुलिस अधीक्षक आरती सिंह के निर्देशन में जनसुनवाई के दौरान जरूरतमंद, बुजुर्ग और दिव्यांग फरियादियों की सुविधाओं का ध्यान रखते हुए उनकी समस्याएं सुनने और समयबद्ध समाधान कराने पर जोर दिया जा रहा है। क्षेत्राधिकारी अपराध अमोद कुमार का स्वयं दिव्यांग फरियादी के पास पहुंचकर उसकी पीड़ा सुनना पुलिस की जनसुनवाई व्यवस्था में मानवीय संवेदनशीलता और जनसेवा के प्रयास को दर्शाता है।

बिजली के खंभे और इंसुलेटर तोड़ने का विरोध करने पर रामदास से मारपीट

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

नवाबगंज थाना क्षेत्र के ग्राम घूमईया रसूलपुर में बिजली के खंभे और इंसुलेटर तोड़ने को लेकर विवाद का मामला सामने आया है। आरोप है कि गांव के ही शिवपाल पुत्र सियाराम उर्फ नन्हें समेत चार लोगों ने रामदास के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। इतना ही नहीं, आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद पीड़ित ने थाना नवाबगंज पहुंचकर पुलिस को पूरे मामले की जानकारी देते हुए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

पुलिस को दी गई तहरीर में वादी रामदास पुत्र सियाराम उर्फ नन्हें निवासी ग्राम घूमईया रसूलपुर ने बताया कि आरोपियों ने उनके साथ विवाद करते हुए अभद्र भाषा का प्रयोग किया और मारपीट की। पीड़ित का आरोप है कि इस दौरान आरोपियों ने उनके द्वारा लगवाए गए बिजली के खंभे और इंसुलेटर को भी तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया। विरोध करने पर आरोपियों ने उन्हें धमकाया और जान से मारने की चेतावनी दी। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस से मामले में उचित कानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगाई।

मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना नवाबगंज पुलिस ने नामजद अभियुक्त शिवपाल पुत्र सियाराम उर्फ नन्हें निवासी ग्राम घूमईया रसूलपुर समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने इस मामले में प्राथमिकी पंजीकृत की है। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस मामले से जुड़े तथ्यों और शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, मामले में नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जा रही है। घटना में बिजली के खंभे और इंसुलेटर को नुकसान पहुंचाए जाने के आरोप को भी जांच में शामिल किया गया है।

24 हजार मानदेय समेत कई मांगों को लेकर रोजगार सेवक करेंगे विधानसभा का घेराव

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

राजेपुर ब्लॉक के ग्राम रोजगार सेवकों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। रोजगार सेवकों ने 3 दिसंबर को लखनऊ में विधानसभा घेराव करने का ऐलान किया है। इस संबंध में उन्होंने सहायक विकास अधिकारी पंचायत अजीत पाठक को मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपकर मांगों के निस्तारण की मांग की।

रोजगार सेवकों की प्रमुख मांगों में मासिक मानदेय बढ़ाकर कम से कम 24 हजार रुपये करना और इसके लिए स्थायी बजट की व्यवस्था करना शामिल है। इसके अलावा उन्होंने स्वयं और परिवार के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा, ईपीएफ और ईएसआई का लाभ दिए जाने की मांग उठाई। रोजगार सेवकों ने ग्राम पंचायतों में कराए जाने वाले विकास कार्यों में



उनकी भूमिका और अधिकार भी निर्धारित किए जाने की मांग की।

रोजगार सेवकों का कहना है कि वे ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और विकास कार्यों को धरातल पर उतारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें पर्याप्त मानदेय और सामाजिक सुरक्षा की सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। लंबे समय से लंबित मांगों को लेकर अब प्रदेशव्यापी आंदोलन का निर्णय लिया गया है।

बताया गया कि 13 नवंबर को लखनऊ स्थित जवाहर भवन में प्रदेश के विभिन्न संगठनों की बैठक हुई थी। इसमें ग्राम रोजगार सेवक संघर्ष मोर्चा उत्तर प्रदेश का गठन किया गया और मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन की रणनीति तैयार की गई।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 27 नवंबर को प्रदेश के सभी ब्लॉक मुख्यालयों पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद 2 दिसंबर से लखनऊ में अनिश्चितकालीन धरना शुरू होगा और 3 दिसंबर को विधानसभा का घेराव किया जाएगा।

ज्ञापन सौंपने के दौरान रोजगार सेवकों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। इस मौके पर प्रबल प्रताप, अभय सिंह, गंगादीन, आशीष कुमार, जगतपाल, उमेश चंद्र और संजय सिंह सहित कई रोजगार सेवक मौजूद रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में मथुरा निवासी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

फर्रुखाबाद। एक नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म का गंभीर मामला सामने आया है। मामले में विष्णु जिसावत पुत्र मुन्नू सिंह निवासी ग्राम अनौर, थाना गोवर्धन, जनपद मथुरा के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पीड़िता की मां ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपी पर अपनी पुत्री के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, वादिनी ने अपनी पुत्री के साथ हुई घटना के संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी। तहरीर में विष्णु जिसावत को आरोपी बताया गया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू की है।

बहन की शादी से पहले उठी भाई की अर्थी, सड़क हादसे में 19 वर्षीय युवक की मौत

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

थाना मेरापुर क्षेत्र के ग्राम सयानी निवासी 19 वर्षीय युवक की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। युवक नौली-बिछौली मार्ग पर ग्राम नौली के पास घायल अवस्था में मिला था। परिजन उसे उपचार के लिए निजी चिकित्सक के पास ले गए, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच



गया। सबसे दुखद बात यह है कि मृतक की बहन की शादी आगामी 11 दिसंबर को होनी थी और घर में विवाह की तैयारियां चल रही थीं।

जानकारी के अनुसार, सयानी निवासी विजयपाल का पुत्र मनोज कुमार बीती रात करीब तीन बजे नौली-बिछौली मार्ग पर ग्राम नौली के पास घायल अवस्था में मिला। उसे घायल देखकर परिजनों को सूचना दी गई। जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और मनोज को निजी वाहन से नगला भटाह स्थित एक चिकित्सक के पास ले गए। वहां जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मनोज अपने पिता के साथ गांव में खेती-बाड़ी का काम करता था। परिवार में उसके छोटे भाई सनोज, बहन शिखा और कंचन तथा मां ममता देवी हैं। बहन शिखा की शादी 11 दिसंबर को होनी तय थी। घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं, लेकिन इस हादसे ने परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया।

घटना की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी। थानाध्यक्ष नागेंद्र सिंह ने बताया कि शव का पंचायतनामा भरने की कार्रवाई अचरा चौकी प्रभारी शेखर सैनी कर रहे हैं। पुलिस नियमानुसार आगे की कार्रवाई कर रही है।

सकवाई गांव में घर से लाखों के आभूषण व घरेलू सामान चोरी, मुकदमा दर्ज

फर्रुखाबाद। मोहम्मदाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम सकवाई में चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए आभूषण और अन्य घरेलू सामान चोरी कर लिया। मामले में पीड़िता रिंकी सिंह पत्नी शिवकुमार निवासी ग्राम सकवाई ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

पीड़िता की शिकायत पर मोहम्मदाबाद थाना पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा संख्या 394/26, धारा 305 बीएनएस के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है। चोरी की घटना को लेकर पुलिस जांच में जुटी है और आरोपियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।